MSTET
Varg 2

Previous Year Paper
Maths
25 Feb 2019 Shift 1

PROFESSIONAL EXAMINATION BOARD
Middle School Teacher Eligibility Test – 2018
25th Feb 2019 09:30 AM

Topic:- Child Development & Pedagogy (CDP)

1) Autistic children mainly have difficulties in ____. / स्वलीनता (ऑटिस्टिक) बच्चों में _____ की कठिनाई होती हैं।

1. Vision / दृष्टि
2. Intelligence / बुद्धि
3. Social interaction / सामाजिक संपर्क
4. Body movement / शरीर गतिशीलता

Correct Answer :-

- Social interaction / सामाजिक संपर्क

2) Applied Behavior Analysis is considered to be a more effective remedial method for:/

अनुप्रयुक्त व्यवहार विश्लेषण निम्न के लिए एक अधिक प्रभावी उपचारात्मक विधि माना जाता है:

1. Dyslexia/ डिस्लेक्सिया
2. GDD / जीडीडी
3. ADHD / एडीएचडी
4. ASD/ एएसडी

Correct Answer :-

- ASD/ एएसडी

3) Which of the following is not true about the team teaching method? / टीम शिक्षण पद्धति के बारे में निम्नलिखित में से कौन सत्य नहीं है?

1. Difficulties are faced in maintaining harmony among team members / टीम के सदस्यों के बीच सामंजस्य बनाए रखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।
2. It is cheaper than other methods of teaching in terms of finances / यह वित्त के संदर्भ में शिक्षण के अन्य विधियों की तुलना में सस्ता है।
3. Teachers get better opportunities for optimal utilization of human resources / मानव संसाधन के सर्वोत्तम उपयोग के लिए शिक्षकों को बेहतर अवसर मिलते हैं।
4. It is a highly flexible method of teaching in terms of scheduling / यह समय-निर्धारण के संदर्भ में शिक्षण का एक अत्यंत लचीला तरीका है।

Correct Answer :-

- It is cheaper than other methods of teaching in terms of finances / यह वित्त के संदर्भ में शिक्षण के अन्य विधियों की तुलना में सस्ता है।

4) Which of the following elements is there in problem-solving skills?/ निम्नलिखित में से कौन सा समस्या-निवारण कौशल से सम्बंधित है?

1. only the steps to reach the goal / केवल लक्ष्य तक पहुँचने के चरण
2. only the goal / केवल लक्ष्य
3. only the problem / केवल समस्या
4. all of the above/ उपरोक्त सभी

Correct Answer :-

- all of the above/ उपरोक्त सभी

5)

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

70,000+
Mock Tests

Personalised Report Card

Unlimited Re-Attempt

600+
Exam Covered

Previous Year Papers

500%
Refund

ATTEMPT FREE MOCK NOW

A child thinks that because he wants to have pizza for dinner, his parents must want it too. What type of thinking is this? / एक बच्चा सोचता है कि चूंकि वह रात के खाने के लिए पिज्जा चाहता है, तो उसके माता-पिता को भी यही चाहिए। यह किस प्रकार की सोच है?

1. Meta-cognitive thinking / ध्यानात्मक (मेटा-संज्ञानात्मक) चिंतन
2. Egocentric thinking / स्वकेंद्रित (इगोसेन्ट्रिक) चिंतन
3. Abstract thinking / अमूर्त चिंतन
4. Psychotic thinking / मानसिक (साइकोटिक) चिंतन

Correct Answer :-

- Egocentric thinking / स्वकेंद्रित (इगोसेन्ट्रिक) चिंतन

6) Learners learn best when _____ / शिक्षार्थी सबसे अच्छी तरह सीखते हैं जब _____

1. they listen to the teacher and obey all classroom rules. / वे शिक्षक की बात सुनते हैं और कक्षा के सभी नियमों का पालन करते हैं।
2. they understand the lesson and write good notes. / वे विषय को समझते हैं और अच्छे नोट्स लिखते हैं।
3. they understand the relevance and are motivated to achieve the learning goal. / वे प्रासंगिकता को समझते हैं और अधिगम के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित होते हैं।
4. they follow all rules and are quiet in class. / वे सभी नियमों का पालन करते हैं और कक्षा में शांत रहते हैं।

Correct Answer :-

- they understand the relevance and are motivated to achieve the learning goal. / वे प्रासंगिकता को समझते हैं और अधिगम के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित होते हैं।

7) The seat of Intelligence in human brain is _____. / मानव मस्तिष्क में बुद्धि का केंद्र _____ है।

1. Brainstem / ब्रेनस्टेम
2. Cerebellum / अनुमस्तिष्क (सेरेबेल्लम)
3. Cerebrum / प्रमस्तिष्क (सेरेब्रम)
4. Spinal cord / मेरुदण्ड (स्पाइनल कॉर्ड)

Correct Answer :-

- Cerebrum / प्रमस्तिष्क (सेरेब्रम)

8) Which of the following is the best way to increase correct responses and appropriate behavior? /

सही प्रतिक्रियाओं और उचित व्यवहार को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सबसे अच्छा तरीका है?

1. Punishment / दंड
2. Praise / प्रशंसा
3. Ignorance / अज्ञानता
4. Strictness / सख़्ती

Correct Answer :-

- Praise / प्रशंसा

9) Which method is used commonly for the diagnosis and treatment of behavioral problems of exceptional children? /

असाधारण बच्चों की व्यवहार संबंधी समस्याओं के निदान और उपचार के लिए आमतौर पर किस विधि का उपयोग किया जाता है?

1. Survey method / सर्वेक्षण विधि
2. Case study method / केस स्टडी विधि
3. Observation method / निरीक्षण विधि
4. Experimental method / प्रयोगात्मक विधि

Correct Answer :-

- Case study method / केस स्टडी विधि

10) Which approach believes in teaching reading based on sounds? / ध्वनियों के आधार पर पठन-पाठन में कौन सा दृष्टिकोण विश्वास करता है?

1. Analytical / विश्लेषणात्मक
2. Syllabic/ शब्दांश
3. Global / ग्लोबल
4. Phonic / फोनिक

Correct Answer :-

- Phonic / फोनिक

11) According to Thompson, children can identify their own gender by the age of/ थॉम्पसन के अनुसार, बच्चे अपने स्वयं के लिंग की पहचान इस उम्र से कर सकते हैं:

1. Five years / पांच वर्ष
2. Two years / दो वर्ष
3. Four years / चार वर्ष
4. Three years / तीन वर्ष

Correct Answer :-

- Three years / तीन वर्ष

12) What is the term used to describe a person's tendency to remember positive rather than negative experiences?/
नकारात्मक अनुभवों के बजाय सकारात्मक याद रखने के लिए किसी व्यक्ति की प्रवृत्ति का वर्णन करने हेतु किस पद का उपयोग किया जाता है?

1. Rehearsal effect / पूर्वाभ्यास प्रभाव
2. Retroactive effect / पूर्वव्यापी प्रभाव
3. Lightbulb effect / लाइटबल्ब प्रभाव
4. Pollyanna effect / पोलीन्ना प्रभाव

Correct Answer :-

- Pollyanna effect / पोलीन्ना प्रभाव

13) What type of memory is sometimes referred to as nondeclarative memory? /
किस प्रकार की स्मृति को कभी-कभार अघोषणात्मक स्मृति के रूप में जाना जाता है?

1. Autobiographical memory / आत्मचरित (ऑटोबायोग्राफिकल) स्मृति
2. Factual memory / तथ्यात्मक स्मृति
3. Short term memory/लघु-कालीन स्मृति
4. Procedural memory / प्रक्रियात्मक स्मृति

Correct Answer :-

- Procedural memory / प्रक्रियात्मक स्मृति

14) An assessment that is carried out throughout the course is called ____. /
वह आकलन जो पूरे पाठ्यक्रम के दौरान किया जाता है, ____ कहलाता है।

1. Formative assessment / रचनात्मक आकलन
2. Summative assessment / योगात्मक मूल्यांकन

3. Diagnostic assessment / नैदानिक मूल्यांकन

4. Initial assessment / प्रारंभिक आकलन

Correct Answer :-

- Formative assessment / रचनात्मक आकलन

15) Which of the following is not a form of bullying? / निम्नलिखित में से कौन सा बदमाशी का एक रूप नहीं है?

1. Teasing other children / अन्य बच्चों को छेड़ना

2. Pushing other children / अन्य बच्चों को धक्का देना

3. Mutual exchange of lunches / लंच की पारस्परिक अदला-बदली

4. Insulting other children / दूसरे बच्चों का अपमान करना

Correct Answer :-

- Mutual exchange of lunches / लंच की पारस्परिक अदला-बदली

16) Which of the following clinical procedures are based in part on classical conditioning?/

निम्नलिखित में से कौन सी नैदानिक प्रक्रिया| क्लासिकल कंडीशनिंग पर आधारित है?

1. Token economy / टोकन इकोनॉमी

2. Two chair techniques / टू चेयर तकनीकी

3. Transference/ स्थानांतरण

4. Systematic desensitization / व्यवस्थित विसुग्राहीकरण

Correct Answer :-

- Systematic desensitization / व्यवस्थित विसुग्राहीकरण

17) Which chromosome is responsible for determining that the child is born male? /
कौन सा गुणसूत्र यह निर्धारित करने के लिए उत्तरदायी होता है कि बच्चा नर पैदा हुआ है?

1. Y chromosome / Y गुणसूत्र

2. C chromosome / C गुणसूत्र

3. L chromosome / L गुणसूत्र

4. X chromosome / X गुणसूत्र

Correct Answer :-

- Y chromosome / Y गुणसूत्र

18) If a child has no problems with any schoolwork other than reading and writing, what could he be diagnosed with? / यदि किसी बच्चे को पढ़ने और लिखने के अलावा किसी अन्य स्कूल कार्य की कोई समस्या नहीं है, तो उसे किससे निरूपित किया जा सकता है?

1. Learning disorder / अधिगम विकार

2. Communication disorder / संचार विकार

3. Mental retardation / मानसिक मंदता

4. Intellectual disability / बौद्धिक अक्षमता

Correct Answer :-

- Learning disorder / अधिगम विकार

19) A child searches for an object where they previously found it even after they know it moved to another location. This approach is seen because of limitations relating to _____. / एक बच्चा एक ऐसी वस्तु की खोज करता है, जहाँ वे पहले इसे दूसरे स्थान पर ले जाने के बाद भी पाते हैं। यह दृष्टिकोण _____ से संबंधित सीमाओं के कारण देखा जाता है।

1. Attachment/ अनुलग्नक (अटैचमेंट)

2. Egocentrism/ स्वार्थ (इगोसेन्ट्रिज्म)

3. Conservation/ संरक्षण

4. Object permanence / वस्तु स्थायित्व

Correct Answer :-

- Object permanence / वस्तु स्थायित्व

20) Who developed a Psychosexual theory of human development from infancy onward? / शैशवावस्था से मानव विकास का एक मनोलैंगिक सिद्धांत किसने विकसित किया?

1. Erik Erikson / एरिक इरीकसन

2. Piaget / पियाजे

3. Sigmund Freud / सिगमन फ्रायड

4. Vygotsky / वाइगोत्सकी

Correct Answer :-

- Sigmund Freud / सिगमन फ्रायड

21) The concept of intelligence is more related to: / बौद्धिक अवधारणा इससे अधिक संबंधित है:

1. Concrete thinking / यथार्थपूर्ण चिंतन

2. Intuitive thinking / सहज चिंतन

3. Rational thinking / तर्कसंगत चिंतन

4. Emotional thinking / भावनात्मक चिंतन

Correct Answer :-

- Rational thinking / तर्कसंगत चिंतन

22) Rorchach ink blot test consists of / रोशार्क स्याही का धब्बा परीक्षण निम्न से बना होता है:

1. 10 black cards and 5 coloured cards10 / काले पत्ते और 5 रंगीन पत्ते

2. 10 black and 10 white cards / 10 काले और 10 सफेद पत्ते

3. 5 black and white cards and 5 coloured cards/ 5 काले और सफेद पत्ते और 5 रंगीन पत्ते

4. 10 multicoloured cards 10/ बहुरंगी पत्ते

Correct Answer :-

- 5 black and white cards and 5 coloured cards/ 5 काले और सफेद पत्ते और 5 रंगीन पत्ते

23) When failures are punished during childhood, it leads to ____. / जब असफलताओं के लिए बचपन के दौरान दंडित किया जाता है, तो यह ____ की ओर ले जाता है।

1. Negative reinforcement / नकारात्मक पुनर्बलन

2. Encouragement / प्रोत्साहन

3. Persistence / हठ

4. Learned helplessness / अधिगम विवशता

Correct Answer :-

- Learned helplessness / अधिगम विवशता

24) Maturity affects learning because it impacts -/ परिपक्वता अधिगम को प्रभावित करती है क्योंकि यह निम्न पर प्रभाव डालता है:

1. Motor skills/ प्रेरक कौशल

2. Readiness/ तत्परता

3. Cognitive capabilities/ संज्ञानात्मक क्षमताओं

4. Both motor and cognitive skills/ दोनो मोटर और संज्ञानात्मक कौशल

Correct Answer :-

- Both motor and cognitive skills/ दोनो मोटर और संज्ञानात्मक कौशल

25) **According to the Social Learning Theory, there are 4 necessary conditions for effective modelling.**

Attention, retention and reproduction are 3 of these conditions.

Which is the 4th condition? /

सामाजिक अधिगम सिद्धांत के अनुसार, प्रभावी मॉडलिंग के लिए 4 आवश्यक शर्तें हैं।

ध्यान, अवधारण और प्रजनन ये 3 शर्तें हैं।

चौथी शर्त क्या है?

1. Situation / स्थिति

2. Attraction / आकर्षण

3. Imagination / कल्पना

4. Motivation / प्रेरणा

Correct Answer :-

- Motivation / प्रेरणा

26) **Creating positive classroom culture falls under the domain of : / सकारात्मक कक्षा संस्कृति का निर्माण निम्न क्षेत्र के अंतर्गत आता है:**

1. Social need / सामाजिक आवश्यकता

2. Affective need / भावात्मक आवश्यकता

3. Psychomotor need /मनोप्रेरणा की आवश्यकता

4. Cognitive need /संज्ञात्मक आवश्यकता

Correct Answer :-

- Affective need / भावात्मक आवश्यकता

27) **Which of the following can be described as a positive reasoning style for failure in achieving success? / निम्नलिखित में से क्या सफलता प्राप्त करने में असफलता के लिए एक सकारात्मक तर्क स्टाइल के रूप में वर्णित कर सकता है?**

1. Environment problem / वातावरणीय समस्या

2. Medical and Psychological Reasons / चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक कारण

3. Difficulty in writing / लेखन में समस्या

4. Lack of Motivation and Interest to put efforts / प्रभाव डालने के लिए प्रेरणा और रुचि का अभाव

Correct Answer :-

- Lack of Motivation and Interest to put efforts / प्रभाव डालने के लिए प्रेरणा और रुचि का अभाव

28) **Some parents do not explain the rules but force the child to adhere to them at any cost. This type of parenting is known as:/**
कुछ माता-पिता नियमों की व्याख्या नहीं करते हैं लेकिन बच्चे को किसी भी कीमत पर उनका पालन करने के लिए मजबूर करते हैं। इस प्रकार की पेरेंटिंग को निम्न रूप में जाना जाता है:

1. Permissive Parenting / अनुमोदक पैरेंटिंग

2. Uninvolved Parenting / असम्मलित पैरेंटिंग

3. Authoritative Parenting / आधिकारिक पैरेंटिंग

4. Authoritarian Parenting/ सत्तावादी पेरेंटिंग

Correct Answer :-

- Authoritarian Parenting/ सत्तावादी पेरेंटिंग

29) Studies in human development take into consideration the period from: / मानव विकास में अध्ययन इस अवधि को ध्यान में रखता है:

1. Conception to adolescence / गर्भाधान से किशोरावस्था
2. Birth to adolescence / जन्म से किशोरावस्था
3. Birth to death / जन्म से मरण
4. Conception to death / गर्भाधान से मृत्यु

Correct Answer :-

- Conception to death / गर्भाधान से मृत्यु

30) CANCELLED

What is the full form of MBIT?/ एमबीआईटी का पूर्ण रूप क्या है?

1. Myers-Briggs test instructions / मायर्स-ब्रिग्स परीक्षा निर्देश
2. Myers-Briggs type of indicator / मायर्स-ब्रिग्स प्रकार संकेतक
3. Myers-Bricks type of indicator / मायर्स-ब्रिक्स प्रकार संकेतक
4. Myers-Bricks test instructions / मायर्स- ब्रिक्स परीक्षा निर्देश

Correct Answer :-

- Myers-Briggs type of indicator / मायर्स-ब्रिग्स प्रकार संकेतक

Topic:- General Hindi (L1GH)

1) फैली खेतों में दूर तलक
मख़मल की कोमल हरियाली,
लिपटीं जिससे रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली !
तिनकों के हरे हरे तन पर
हिल हरित रुधिर है रहा झलक,
श्यामल भू तल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फलक।
रोमांचित-सी लगती वसुधा
आयी जौ गेहूँ में बाली,
अरहर सनई की सोने की
किंकिणियाँ हैं शोभाशाली।उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध,
फूली सरसों पीली-पीली,
लो, हरित धरा से झाँक रही
नीलम की कलि, तीसी नीली।
रँग रँग के फूलों में रिलमिल
हँस रही संखिया मटर खड़ी।
मख़मली पेटियों सी लटकीं
छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।
फिरती हैं रँग रँग की तितली

रंग रंग के फूलों पर सुन्दर,

फूले फिरते हों फूल स्वयं

उड़ उड़ वृंतों से वृंतों पर।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: हवा के झोंके से जब फूल एक डाली से दूसरी डाली को छूते हैं तो कैसा लगता है?

1. फल के बोझ से दबे जा रहे हों।
2. लताएँ सूख रही हों।
3. जैसे वे गिर जाएँगे।
4. जैसे वे खुशी से फूले नहीं समा रहे।

Correct Answer :-

- जैसे वे खुशी से फूले नहीं समा रहे।

2) फैली खेतों में दूर तलक

मख़मल की कोमल हरियाली,

लिपटीं जिससे रवि की किरणें

चाँदी की सी उजली जाली !

तिनकों के हरे हरे तन पर

हिल हरित रुधिर है रहा झलक,

श्यामल भू तल पर झुका हुआ

नभ का चिर निर्मल नील फलक।

रोमांचित-सी लगती वसुधा

आयी जौ गेहूँ में बाली,

अरहर सनई की सोने की

किंकिणियाँ हैं शोभाशाली।

उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध,

फूली सरसों पीली-पीली,

लो, हरित धरा से झाँक रही

नीलम की कलि, तीसी नीली।

रँग रँग के फूलों में रिलमिल

हँस रही संखिया मटर खड़ी।

मख़मली पेटियों सी लटकीं

छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।

फिरती हैं रँग रँग की तितली

रंग रंग के फूलों पर सुन्दर,

फूले फिरते हों फूल स्वयं

उड़ उड़ वृंतों से वृंतों पर।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: खेतों में दूर तलक क्या फैली हुई है?

1. चरती हुई गाएं
2. चरते हुए घोड़े
3. हरियाली की मखमली चादर
4. तितलियों के झुंड

Correct Answer :-

- हरियाली की मखमली चादर

3) फैली खेतों में दूर तलक
मख़मल की कोमल हरियाली,
लिपटीं जिससे रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली !
तिनकों के हरे हरे तन पर
हिल हरित रुधिर है रहा झलक,
श्यामल भू तल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फलक।
रोमांचित-सी लगती वसुधा
आयी जौ गेहूँ में बाली,
अरहर सनई की सोने की
किंकिणियाँ हैं शोभाशाली।
उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध,
फूली सरसों पीली-पीली,
लो, हरित धरा से झाँक रही
नीलम की कलि, तीसी नीली।
रँग रँग के फूलों में रिलमिल
हँस रही संखिया मटर खड़ी।
मख़मली पेटियों सी लटकीं
छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।
फिरती हैं रँग रँग की तितली
रंग रंग के फूलों पर सुन्दर,
फूले फिरते हों फूल स्वयं
उड़ उड़ वृंतों से वृंतों पर।
दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।
प्रश्न: सांवली-सी धरती पर कौन अपने पलक बिछाता प्रतीत होता है?

1. गेहूँ की बालियाँ
2. कुसुमित सरसों
3. प्रफुल्लित किसान
4. निर्मल नीला आकाश

Correct Answer :-

- निर्मल नीला आकाश

4) फैली खेतों में दूर तलक
मख़मल की कोमल हरियाली,
लिपटीं जिससे रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली !
तिनकों के हरे हरे तन पर
हिल हरित रुधिर है रहा झलक,
श्यामल भू तल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फलक।
रोमांचित-सी लगती वसुधा
आयी जौ गेहूँ में बाली,

Adda247

GET IT ON Google Play

अरहर सनई की सोने की
किंकिणियाँ हैं शोभाशाली।
उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध,
फूली सरसों पीली-पीली,
लो, हरित धरा से झाँक रही
नीलम की कलि, तीसी नीली।
रँग रँग के फूलों में रिलमिल
हँस रही संखिया मटर खड़ी।
मख़मली पेटियों सी लटकीं
छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।
फिरती हैं रँग रँग की तितली
रंग रंग के फूलों पर सुन्दर,
फूले फिरते हों फूल स्वयं
उड़ उड़ वृंतों से वृंतों पर।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: रंग-बिरंगी तितलियाँ किन चीज़ों पर उड़ती फिरती हैं?

1. रंग-रंग के फूलों पर
2. गेहूँ के खेतों में
3. सरसों के खेतों में
4. मटर के पौधों पर

Correct Answer :-

- रंग-रंग के फूलों पर

5) फैली खेतों में दूर तलक
मख़मल की कोमल हरियाली,
लिपटीं जिससे रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली !
तिनकों के हरे हरे तन पर
हिल हरित रुधिर है रहा झलक,
श्यामल भू तल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फलक।
रोमांचित-सी लगती वसुधा
आयी जौ गेहूँ में बाली,
अरहर सनई की सोने की
किंकिणियाँ हैं शोभाशाली।
उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध,
फूली सरसों पीली-पीली,
लो, हरित धरा से झाँक रही
नीलम की कलि, तीसी नीली।
रँग रँग के फूलों में रिलमिल
हँस रही संखिया मटर खड़ी।
मख़मली पेटियों सी लटकीं
छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।
फिरती हैं रँग रँग की तितली

रंग रंग के फूलों पर सुन्दर,

फूले फिरते हों फूल स्वयं

उड़ उड़ वृंतों से वृंतों पर।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: मटर के पौधे किसकी तरह बीज छिपा कर हँस रहे हैं?

1. इनमें से कोई नहीं
2. हरे-भरे खेत की तरह
3. गुंजायमान करते भौंरे की तरह
4. जैसे सखियाँ मखमल की पेटियों में बीज छिपा कर हँस रही हैं

Correct Answer :-

- जैसे सखियाँ मखमल की पेटियों में बीज छिपा कर हँस रही हैं

6) फैली खेतों में दूर तलक

मख़मल की कोमल हरियाली,

लिपटीं जिससे रवि की किरणें

चाँदी की सी उजली जाली !

तिनकों के हरे हरे तन पर

हिल हरित रुधिर है रहा झलक,

श्यामल भू तल पर झुका हुआ

नभ का चिर निर्मल नील फलक।

रोमांचित-सी लगती वसुधा

आयी जौ गेहूँ में बाली,

अरहर सनई की सोने की

किंकिणियाँ हैं शोभाशाली।

उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध,

फूली सरसों पीली-पीली,

लो, हरित धरा से झाँक रही

नीलम की कलि, तीसी नीली।

रँग रँग के फूलों में रिलमिल

हँस रही संखिया मटर खड़ी।

मख़मली पेटियों सी लटकीं

छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।

फिरती हैं रँग रँग की तितली

रंग रंग के फूलों पर सुन्दर,

फूले फिरते हों फूल स्वयं

उड़ उड़ वृंतों से वृंतों पर।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: तिनके के हरे हरे तन पर क्या झलक रहा है?

1. हरी पत्तियाँ
2. हरे फूल
3. हरित रुधिर
4. हरे टिड्डी दल

Correct Answer :-

- हरित रुधिर

7) फैली खेतों में दूर तलक
मख़मल की कोमल हरियाली,
लिपटीं जिससे रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली !
तिनकों के हरे हरे तन पर
हिल हरित रुधिर है रहा झलक,
श्यामल भू तल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फलक।
रोमांचित-सी लगती वसुधा
आयी जौ गेहूँ में बाली,
अरहर सनई की सोने की
किंकिणियाँ हैं शोभाशाली।
उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध,
फूली सरसों पीली-पीली,
लो, हरित धरा से झाँक रही
नीलम की कलि, तीसी नीली।
रँग रँग के फूलों में रिलमिल
हँस रही संखिया मटर खड़ी।
मख़मली पेटियों सी लटकीं
छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।
फिरती हैं रँग रँग की तितली
रंग रंग के फूलों पर सुन्दर,
फूले फिरते हों फूल स्वयं
उड़ उड़ वृंतों से वृंतों पर।
दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।
प्रश्न: इस कविता में किस मौसम के सौंदर्य का वर्णन है?

1. शरद ऋतु
2. वसंत ऋतु
3. हेमंत ऋतु
4. ग्रीष्म ऋतु

Correct Answer :-

- वसंत ऋतु

8) फैली खेतों में दूर तलक
मख़मल की कोमल हरियाली,
लिपटीं जिससे रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली !
तिनकों के हरे हरे तन पर
हिल हरित रुधिर है रहा झलक,
श्यामल भू तल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फलक।
रोमांचित-सी लगती वसुधा
आयी जौ गेहूँ में बाली,

अरहर सनई की सोने की
किंकिणियाँ हैं शोभाशाली।
उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध,
फूली सरसों पीली-पीली,
लो, हरित धरा से झाँक रही
नीलम की कलि, तीसी नीली।
रँग रँग के फूलों में रिलमिल
हँस रही संखिया मटर खड़ी।
मख़मली पेटियों सी लटकीं
छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।
फिरती हैं रँग रँग की तितली
रंग रंग के फूलों पर सुन्दर,
फूले फिरते हों फूल स्वयं
उड़ उड़ वृंतों से वृंतों पर।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: तीसी के नीले फूल किस पत्थर के नगीने की तरह दिख रहे हैं?

1. नीलम
2. पुखराज
3. पन्ना
4. गोमेद

Correct Answer :-

- नीलम

9) फैली खेतों में दूर तलक
मख़मल की कोमल हरियाली,
लिपटीं जिससे रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली !
तिनकों के हरे हरे तन पर
हिल हरित रुधिर है रहा झलक,
श्यामल भू तल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फलक।
रोमांचित-सी लगती वसुधा
आयी जौ गेहूँ में बाली,
अरहर सनई की सोने की
किंकिणियाँ हैं शोभाशाली।
उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध,
फूली सरसों पीली-पीली,
लो, हरित धरा से झाँक रही
नीलम की कलि, तीसी नीली।
रँग रँग के फूलों में रिलमिल
हँस रही संखिया मटर खड़ी।
मख़मली पेटियों सी लटकीं
छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।
फिरती हैं रँग रँग की तितली

रंग रंग के फूलों पर सुन्दर,

फूले फिरते हों फूल स्वयं

उड़ उड़ वृंतों से वृंतों पर।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: किसमें बालियाँ आ जाने से धरती खुशी से रोमांचित लग रही है?

1. इनमें से कोई नहीं
2. तीसी और राई में
3. धान और मक्के में
4. जौ और गेहूँ में

Correct Answer :-

- जौ और गेहूँ में

10) फैली खेतों में दूर तलक

मख़मल की कोमल हरियाली,

लिपटीं जिससे रवि की किरणें

चाँदी की सी उजली जाली !

तिनकों के हरे हरे तन पर

हिल हरित रुधिर है रहा झलक,

श्यामल भू तल पर झुका हुआ

नभ का चिर निर्मल नील फलक।

रोमांचित-सी लगती वसुधा

आयी जौ गेहूँ में बाली,

अरहर सनई की सोने की

किंकिणियाँ हैं शोभाशाली।

उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध,

फूली सरसों पीली-पीली,

लो, हरित धरा से झाँक रही

नीलम की कलि, तीसी नीली।

रँग रँग के फूलों में रिलमिल

हँस रही संखिया मटर खड़ी।

मख़मली पेटियों सी लटकीं

छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।

फिरती हैं रँग रँग की तितली

रंग रंग के फूलों पर सुन्दर,

फूले फिरते हों फूल स्वयं

उड़ उड़ वृंतों से वृंतों पर।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: किसके पीले फूल अपनी तैलीय सुगंध बिखेर रहे हैं?

1. राई के
2. गेंदे के
3. सरसों के
4. अरहर के

Correct Answer :-

- सरसों के

11) फैली खेतों में दूर तलक
मख़मल की कोमल हरियाली,
लिपटीं जिससे रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली !
तिनकों के हरे हरे तन पर
हिल हरित रुधिर है रहा झलक,
श्यामल भू तल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फलक।
रोमांचित-सी लगती वसुधा
आयी जौ गेहूँ में बाली,
अरहर सनई की सोने की
किंकिणियाँ हैं शोभाशाली।
उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध,
फूली सरसों पीली-पीली,
लो, हरित धरा से झाँक रही
नीलम की कलि, तीसी नीली।
रँग रँग के फूलों में रिलमिल
हँस रही संखिया मटर खड़ी।
मख़मली पेटियों सी लटकीं
छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।
फिरती हैं रँग रँग की तितली
रंग रंग के फूलों पर सुन्दर,
फूले फिरते हों फूल स्वयं
उड़ उड़ वृंतों से वृंतों पर।
दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।
प्रश्न: अरहर और सन वसुधा की क्या बनकर बढ़ा रही हैं?

1. पायल
2. गले का हार
3. बिछिया
4. करधनी

Correct Answer :-

- करधनी

12) फैली खेतों में दूर तलक
मख़मल की कोमल हरियाली,
लिपटीं जिससे रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली !
तिनकों के हरे हरे तन पर
हिल हरित रुधिर है रहा झलक,
श्यामल भू तल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फलक।
रोमांचित-सी लगती वसुधा
आयी जौ गेहूँ में बाली,

अरहर सनई की सोने की

किंकिणियाँ हैं शोभाशाली।

उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध,

फूली सरसों पीली-पीली,

लो, हरित धरा से झाँक रही

नीलम की कलि, तीसी नीली।

रँग रँग के फूलों में रिलमिल

हँस रही संखिया मटर खड़ी।

मख़मली पेटियों सी लटकीं

छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।

फिरती हैं रँग रँग की तितली

रंग रंग के फूलों पर सुन्दर,

फूले फिरते हों फूल स्वयं

उड़ उड़ वृंतों से वृंतों पर।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: जब सूरज की किरणें चमकती हैं तो किस चीज़ का भ्रम होता है?

1. लू चलने का
2. इनमें से कोई नहीं
3. जैसे किसी ने चांदी का जाल बिछा दिया हो
4. बालू में मृगतृष्णा का

Correct Answer :-

- जैसे किसी ने चांदी का जाल बिछा दिया हो

13) CANCELLED

फैली खेतों में दूर तलक

मख़मल की कोमल हरियाली,

लिपटीं जिससे रवि की किरणें

चाँदी की सी उजली जाली !

तिनकों के हरे हरे तन पर

हिल हरित रुधिर है रहा झलक,

श्यामल भू तल पर झुका हुआ

नभ का चिर निर्मल नील फलक।

रोमांचित-सी लगती वसुधा

आयी जौ गेहूँ में बाली,

अरहर सनई की सोने की

किंकिणियाँ हैं शोभाशाली।

उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध,

फूली सरसों पीली-पीली,

लो, हरित धरा से झाँक रही

नीलम की कलि, तीसी नीली।

रँग रँग के फूलों में रिलमिल

हँस रही संखिया मटर खड़ी।

मख़मली पेटियों सी लटकीं

छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।

फिरती हैं रँग रँग की तितली
रंग रंग के फूलों पर सुन्दर,
फूले फिरते हों फूल स्वयं
उड़ उड़ वृंतों से वृंतों पर।
दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।
प्रश्न: आम के पेड़ की डाली चांदी और सोने की किन चीज़ों से लद गए हैं?

1. नये-नये पत्तों से
2. नई-नई डालियों से
3. भौरों की गूँज से
4. मंजरियों से

Correct Answer :-

- मंजरियों से

14) CANCELLED

फैली खेतों में दूर तलक
मख़मल की कोमल हरियाली,
लिपटीं जिससे रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली !
तिनकों के हरे हरे तन पर
हिल हरित रुधिर है रहा झलक,
श्यामल भू तल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फलक।
रोमांचित-सी लगती वसुधा
आयी जौ गेहूँ में बाली,
अरहर सनई की सोने की
किंकिणियाँ हैं शोभाशाली।
उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध,
फूली सरसों पीली-पीली,
लो, हरित धरा से झाँक रही
नीलम की कलि, तीसी नीली।
रँग रँग के फूलों में रिलमिल
हँस रही संखिया मटर खड़ी।
मख़मली पेटियों सी लटकीं
छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।
फिरती हैं रँग रँग की तितली
रंग रंग के फूलों पर सुन्दर,
फूले फिरते हों फूल स्वयं
उड़ उड़ वृंतों से वृंतों पर।
दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।
प्रश्न: आम के बौर की खुशबू लोगों पर कैसा असर करती है?

1. मादकता रहित
2. सादगीपूर्ण
3. नशे-जैसा
4. भावनापूर्ण

Correct Answer :-

- नशे-जैसा

15) CANCELLED

फैली खेतों में दूर तलक

मख़मल की कोमल हरियाली,

लिपटीं जिससे रवि की किरणें

चाँदी की सी उजली जाली !

तिनकों के हरे हरे तन पर

हिल हरित रुधिर है रहा झलक,

श्यामल भू तल पर झुका हुआ

नभ का चिर निर्मल नील फलक।

रोमांचित-सी लगती वसुधा

आयी जौ गेहूँ में बाली,

अरहर सनई की सोने की

किंकिणियाँ हैं शोभाशाली।

उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध,

फूली सरसों पीली-पीली,

लो, हरित धरा से झाँक रही

नीलम की कलि, तीसी नीली।

रँग रँग के फूलों में रिलमिल

हँस रही संखिया मटर खड़ी।

मख़मली पेटियों सी लटकीं

छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।

फिरती हैं रँग रँग की तितली

रंग रंग के फूलों पर सुन्दर,

फूले फिरते हों फूल स्वयं

उड़ उड़ वृंतों से वृंतों पर।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: वसंत ऋतु की मादकता में कौन मतवाली हो गई है?

1. मैना
2. हारिल
3. टिटहरी
4. कोयल

Correct Answer :-

- कोयल

16) किसी उत्पाद का इस्तेमाल करके उपभोक्ता भी बाजार में भागीदार बन जाता है। यदि उपभोक्ता नहीं होंगे तो किसी भी कम्पनी का अस्तित्व नहीं होगा। जहाँ तक उपभोक्ता के अधिकार का सवाल है तो उपभोक्ता की स्थिति दयनीय ही कही जायेगी। इसको समझने के लिये आप वैसे दुकानदार का उदाहरण ले सकते हैं जो कम वजन तौलता है या वह कम्पनी जो अपने पैक पर झूठे वादे करती है। ज्यादातर मिठाई बेचने वाले कच्चे माल में मिलावट करके लड्डू या बर्फी बनाते हैं। कुछ वर्षों पहले मिलावटी सरसों तेल से फैलने वाली ड्रॉप्सी नाम की बीमारी आपको याद होगी। यदि आपने कभी किसी दुकानदार से शिकायत करने की हिमाकत की होगी तो बदले में आपको उसका दुर्व्यवहार ही झेलना पड़ा होगा। यदि आपने कभी ट्रेन से सफर किया होगा तो आपको पता होगा कि ट्रेन में बिकने वाले खाने पीने की ज्यादातर चीजें घटिया होती हैं। यहाँ तक की पैंट्री में मिलने वाला खाना भी घटिया क्वालिटी का होता है। भारत में मिलावट, कालाबाजारी, जमाखोरी, कम वजन, आदि की पुरानी परंपरा रही है। 1960 के दशक से भारत में उपभोक्ता आंदोलन शुरु हुए थे। 1970 के दशक तक उपभोक्ता आंदोलन केवल आर्टिकल लिखने और प्रदर्शनी लगाने तक ही सीमित था। लेकिन हाल के वर्षों में उपभोक्ता संगठनों की संख्या में तेजी से उछाल आया है।

विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से लोगों में इतनी अधिक असंतुष्टि थी कि उपभोक्ताओं के पास अपनी आवाज उठाने के सिवा और कोई रास्ता नहीं बचा था। कई वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सरकार को इसकी खैर लेने के लिये बाधित होना पड़ा और इसकी परिणति के रूप में 1986 में कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऐक्ट (कोपरा) को लागू किया गया। एक उपभोक्ता को किसी उत्पाद के बारे में सही जानकारी पाने का अधिकार होता है। अब ऐसे कानून हैं जो किसी उत्पाद के पैक पर अवयवों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना अनिवार्य बनाते हैं। सही सूचना से उपभोक्ता को किसी भी उत्पाद को खरीदने के लिये उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। किसी भी उत्पाद के पैक पर अधिकतम खुदरा मूल्य लिखना भी अनिवार्य होता है। यदि कोई दुकानदार

एमआरपी से अधिक चार्ज करता है तो उपभोक्ता उसकी शिकायत कर सकता है। एक उपभोक्ता को विभिन्न विकल्पों में से चुनने का अधिकार होता है। कोई भी विक्रेता केवल एक ही ब्रांड पेश नहीं कर सकता है। उसे अपने ग्राहक को कई विकल्प देने होंगे। इस अधिकार को मोनोपॉली ट्रेड के खिलाफ बने कानूनों के जरिये लागू किया जाता है।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: उपभोक्ताओं के पास क्या उठाने के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा था?

1. अपना झंडा
2. अपना डंडा
3. इनमें से कोई नहीं
4. अपनी आवाज़

Correct Answer :-

- अपनी आवाज़

---

17) किसी उत्पाद का इस्तेमाल करके उपभोक्ता भी बाजार में भागीदार बन जाता है। यदि उपभोक्ता नहीं होंगे तो किसी भी कम्पनी का अस्तित्व नहीं होगा। जहाँ तक उपभोक्ता के अधिकार का सवाल है तो उपभोक्ता की स्थिति दयनीय ही कही जायेगी। इसको समझने के लिये आप वैसे दुकानदार का उदाहरण ले सकते हैं जो कम वजन तौलता है या वह कम्पनी जो अपने पैक पर झूठे वादे करती है। ज्यादातर मिठाई बेचने वाले कच्चे माल में मिलावट करके लड्डू या बर्फी बनाते हैं। कुछ वर्षों पहले मिलावटी सरसों तेल से फैलने वाली ड्रॉप्सी नाम की बीमारी आपको याद होगी। यदि आपने कभी किसी दुकानदार से शिकायत करने की हिमाकत की होगी तो बदले में आपको उसका दुर्व्यवहार ही झेलना पड़ा होगा। यदि आपने कभी ट्रेन से सफर किया होगा तो आपको पता होगा कि ट्रेन में बिकने वाले खाने पीने की ज्यादातर चीजें घटिया होती हैं। यहाँ तक की पैंट्री में मिलने वाला खाना भी घटिया क्वालिटी का होता है। भारत में मिलावट, कालाबाजारी, जमाखोरी, कम वजन, आदि की पुरानी परंपरा रही है। **1960** के दशक से भारत में उपभोक्ता आंदोलन शुरु हुए थे। **1970** के दशक तक उपभोक्ता आंदोलन केवल आर्टिकल लिखने और प्रदर्शनी लगाने तक ही सीमित था। लेकिन हाल के वर्षों में उपभोक्ता संगठनों की संख्या में तेजी से उछाल आया है।

विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से लोगों में इतनी अधिक असंतुष्टि थी कि उपभोक्ताओं के पास अपनी आवाज उठाने के सिवा और कोई रास्ता नहीं बचा था। कई वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सरकार को इसकी खैर लेने के लिये बाधित होना पड़ा और इसकी परिणति के रूप में **1986** में कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऐक्ट (कोपरा) को लागू किया गया। एक उपभोक्ता को किसी उत्पाद के बारे में सही जानकारी पाने का अधिकार होता है। अब ऐसे कानून हैं जो किसी उत्पाद के पैक पर अवयवों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना अनिवार्य बनाते हैं। सही सूचना से उपभोक्ता को किसी भी उत्पाद को खरीदने के लिये उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। किसी भी उत्पाद के पैक पर अधिकतम खुदरा मूल्य लिखना भी अनिवार्य होता है। यदि कोई दुकानदार एमआरपी से अधिक चार्ज करता है तो उपभोक्ता उसकी शिकायत कर सकता है। एक उपभोक्ता को विभिन्न विकल्पों में से चुनने का अधिकार होता है। कोई भी विक्रेता केवल एक ही ब्रांड पेश नहीं कर सकता है। उसे अपने ग्राहक को कई विकल्प देने होंगे। इस अधिकार को मोनोपॉली ट्रेड के खिलाफ बने कानूनों के जरिये लागू किया जाता है।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: मिलावटी सरसों तेल से कौन-सी बीमारी फैली थी?

1. प्लेग
2. ड्रॉप्सी
3. कालाजार
4. मलेरिया

Correct Answer :-

- ड्रॉप्सी

---

18) किसी उत्पाद का इस्तेमाल करके उपभोक्ता भी बाजार में भागीदार बन जाता है। यदि उपभोक्ता नहीं होंगे तो किसी भी कम्पनी का अस्तित्व नहीं होगा। जहाँ तक उपभोक्ता के अधिकार का सवाल है तो उपभोक्ता की स्थिति दयनीय ही कही जायेगी। इसको समझने के लिये आप वैसे दुकानदार का उदाहरण ले सकते हैं जो कम वजन तौलता है या वह कम्पनी जो अपने पैक पर झूठे वादे करती है। ज्यादातर मिठाई बेचने वाले कच्चे माल में मिलावट करके लड्डू या बर्फी बनाते हैं। कुछ वर्षों पहले मिलावटी सरसों तेल से फैलने वाली ड्रॉप्सी नाम की बीमारी आपको याद होगी। यदि आपने कभी किसी दुकानदार से शिकायत करने की हिमाकत की होगी तो बदले में आपको उसका दुर्व्यवहार ही झेलना पड़ा होगा। यदि आपने कभी ट्रेन से सफर किया होगा तो आपको पता होगा कि ट्रेन में बिकने वाले खाने पीने की ज्यादातर चीजें घटिया होती हैं। यहाँ तक की पैंट्री में मिलने वाला खाना भी घटिया क्वालिटी का होता है। भारत में मिलावट, कालाबाजारी, जमाखोरी, कम वजन, आदि की पुरानी परंपरा रही है। **1960** के दशक से भारत में उपभोक्ता आंदोलन शुरु हुए थे। **1970** के दशक तक उपभोक्ता आंदोलन केवल आर्टिकल लिखने और प्रदर्शनी लगाने तक ही सीमित था। लेकिन हाल के वर्षों में उपभोक्ता संगठनों की संख्या में तेजी से उछाल आया है।

विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से लोगों में इतनी अधिक असंतुष्टि थी कि उपभोक्ताओं के पास अपनी आवाज उठाने के सिवा और कोई रास्ता नहीं बचा था। कई वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सरकार को इसकी खैर लेने के लिये बाधित होना पड़ा और इसकी परिणति के रूप में **1986** में कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऐक्ट (कोपरा) को लागू किया गया। एक उपभोक्ता को किसी उत्पाद के बारे में सही जानकारी पाने का अधिकार होता है। अब ऐसे कानून हैं जो किसी उत्पाद के पैक पर अवयवों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना अनिवार्य बनाते हैं। सही सूचना से उपभोक्ता को किसी भी उत्पाद को खरीदने के लिये उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। किसी भी उत्पाद के पैक पर अधिकतम खुदरा मूल्य लिखना भी अनिवार्य होता है। यदि कोई दुकानदार एमआरपी से अधिक चार्ज करता है तो उपभोक्ता उसकी शिकायत कर सकता है। एक उपभोक्ता को विभिन्न विकल्पों में से चुनने का अधिकार होता है। कोई भी विक्रेता केवल एक ही ब्रांड पेश नहीं कर सकता है। उसे अपने ग्राहक को कई विकल्प देने होंगे। इस अधिकार को मोनोपॉली ट्रेड के खिलाफ बने कानूनों के जरिये लागू किया जाता है।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कोई भी विक्रेता क्या केवल एक ही पेश नहीं कर सकता?

1. वजन
2. ब्रांड
3. मूल्य
4. सामान

Correct Answer :-

Adda247 GET IT ON Google Play

- ब्रांड

19) किसी उत्पाद का इस्तेमाल करके उपभोक्ता भी बाजार में भागीदार बन जाता है। यदि उपभोक्ता नहीं होंगे तो किसी भी कम्पनी का अस्तित्व नहीं होगा। जहाँ तक उपभोक्ता के अधिकार का सवाल है तो उपभोक्ता की स्थिति दयनीय ही कही जायेगी। इसको समझने के लिये आप वैसे दुकानदार का उदाहरण ले सकते हैं जो कम वजन तौलता है या वह कम्पनी जो अपने पैक पर झूठे वादे करती है। ज्यादातर मिठाई बेचने वाले कच्चे माल में मिलावट करके लड्डू या बर्फी बनाते हैं। कुछ वर्षों पहले मिलावटी सरसों तेल से फैलने वाली ड्रॉप्सी नाम की बीमारी आपको याद होगी। यदि आपने कभी किसी दुकानदार से शिकायत करने की हिमाकत की होगी तो बदले में आपको उसका दुर्व्यवहार ही झेलना पड़ा होगा। यदि आपने कभी ट्रेन से सफर किया होगा तो आपको पता होगा कि ट्रेन में बिकने वाले खाने पीने की ज्यादातर चीजें घटिया होती हैं। यहाँ तक की पैंट्री में मिलने वाला खाना भी घटिया क्वालिटी का होता है। भारत में मिलावट, कालाबाजारी, जमाखोरी, कम वजन, आदि की पुरानी परंपरा रही है। **1960** के दशक से भारत में उपभोक्ता आंदोलन शुरु हुए थे। **1970** के दशक तक उपभोक्ता आंदोलन केवल आर्टिकल लिखने और प्रदर्शनी लगाने तक ही सीमित था। लेकिन हाल के वर्षों में उपभोक्ता संगठनों की संख्या में तेजी से उछाल आया है।

विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से लोगों में इतनी अधिक असंतुष्टि थी कि उपभोक्ताओं के पास अपनी आवाज उठाने के सिवा और कोई रास्ता नहीं बचा था। कई वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सरकार को इसकी खैर लेने के लिये बाधित होना पड़ा और इसकी परिणति के रूप में **1986** में कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऐक्ट (कोपरा) को लागू किया गया। एक उपभोक्ता को किसी उत्पाद के बारे में सही जानकारी पाने का अधिकार होता है। अब ऐसे कानून हैं जो किसी उत्पाद के पैक पर अवयवों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना अनिवार्य बनाते हैं। सही सूचना से उपभोक्ता को किसी भी उत्पाद को खरीदने के लिये उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। किसी भी उत्पाद के पैक पर अधिकतम खुदरा मूल्य लिखना भी अनिवार्य होता है। यदि कोई दुकानदार एमआरपी से अधिक चार्ज करता है तो उपभोक्ता उसकी शिकायत कर सकता है। एक उपभोक्ता को विभिन्न विकल्पों में से चुनने का अधिकार होता है। कोई भी विक्रेता केवल एक ही ब्रांड पेश नहीं कर सकता है। उसे अपने ग्राहक को कई विकल्प देने होंगे। इस अधिकार को मोनोपॉली ट्रेड के खिलाफ बने कानूनों के जरिये लागू किया जाता है।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: चयन का अधिकार और सूचना का अधिकार जैसे उपभोक्ता के अधिकारों को किस कानून के तहत लागू किया जाता है?

1. उपभोक्ता संरक्षण
2. क्रिमिनल लॉ
3. मोनोपोली ट्रेड
4. कंपनी लॉ

Correct Answer :-

- मोनोपोली ट्रेड

20) किसी उत्पाद का इस्तेमाल करके उपभोक्ता भी बाजार में भागीदार बन जाता है। यदि उपभोक्ता नहीं होंगे तो किसी भी कम्पनी का अस्तित्व नहीं होगा। जहाँ तक उपभोक्ता के अधिकार का सवाल है तो उपभोक्ता की स्थिति दयनीय ही कही जायेगी। इसको समझने के लिये आप वैसे दुकानदार का उदाहरण ले सकते हैं जो कम वजन तौलता है या वह कम्पनी जो अपने पैक पर झूठे वादे करती है। ज्यादातर मिठाई बेचने वाले कच्चे माल में मिलावट करके लड्डू या बर्फी बनाते हैं। कुछ वर्षों पहले मिलावटी सरसों तेल से फैलने वाली ड्रॉप्सी नाम की बीमारी आपको याद होगी। यदि आपने कभी किसी दुकानदार से शिकायत करने की हिमाकत की होगी तो बदले में आपको उसका दुर्व्यवहार ही झेलना पड़ा होगा। यदि आपने कभी ट्रेन से सफर किया होगा तो आपको पता होगा कि ट्रेन में बिकने वाले खाने पीने की ज्यादातर चीजें घटिया होती हैं। यहाँ तक की पैंट्री में मिलने वाला खाना भी घटिया क्वालिटी का होता है। भारत में मिलावट, कालाबाजारी, जमाखोरी, कम वजन, आदि की पुरानी परंपरा रही है। **1960** के दशक से भारत में उपभोक्ता आंदोलन शुरु हुए थे। **1970** के दशक तक उपभोक्ता आंदोलन केवल आर्टिकल लिखने और प्रदर्शनी लगाने तक ही सीमित था। लेकिन हाल के वर्षों में उपभोक्ता संगठनों की संख्या में तेजी से उछाल आया है।

विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से लोगों में इतनी अधिक असंतुष्टि थी कि उपभोक्ताओं के पास अपनी आवाज उठाने के सिवा और कोई रास्ता नहीं बचा था। कई वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सरकार को इसकी खैर लेने के लिये बाधित होना पड़ा और इसकी परिणति के रूप में **1986** में कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऐक्ट (कोपरा) को लागू किया गया। एक उपभोक्ता को किसी उत्पाद के बारे में सही जानकारी पाने का अधिकार होता है। अब ऐसे कानून हैं जो किसी उत्पाद के पैक पर अवयवों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना अनिवार्य बनाते हैं। सही सूचना से उपभोक्ता को किसी भी उत्पाद को खरीदने के लिये उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। किसी भी उत्पाद के पैक पर अधिकतम खुदरा मूल्य लिखना भी अनिवार्य होता है। यदि कोई दुकानदार एमआरपी से अधिक चार्ज करता है तो उपभोक्ता उसकी शिकायत कर सकता है। एक उपभोक्ता को विभिन्न विकल्पों में से चुनने का अधिकार होता है। कोई भी विक्रेता केवल एक ही ब्रांड पेश नहीं कर सकता है। उसे अपने ग्राहक को कई विकल्प देने होंगे। इस अधिकार को मोनोपॉली ट्रेड के खिलाफ बने कानूनों के जरिये लागू किया जाता है।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऐक्ट (कोपरा) को कब लागू किया गया?

1. 1986
2. 1999
3. 1993
4. 1990

Correct Answer :-

- 1986

21) किसी उत्पाद का इस्तेमाल करके उपभोक्ता भी बाजार में भागीदार बन जाता है। यदि उपभोक्ता नहीं होंगे तो किसी भी कम्पनी का अस्तित्व नहीं होगा। जहाँ तक उपभोक्ता के अधिकार का सवाल है तो उपभोक्ता की स्थिति दयनीय ही कही जायेगी। इसको समझने के लिये आप वैसे दुकानदार का उदाहरण ले सकते हैं जो कम वजन तौलता है या वह कम्पनी जो अपने पैक पर झूठे वादे करती है। ज्यादातर मिठाई बेचने वाले कच्चे माल में मिलावट करके लड्डू या बर्फी बनाते हैं। कुछ वर्षों पहले मिलावटी सरसों तेल से फैलने वाली ड्रॉप्सी नाम की बीमारी आपको याद होगी। यदि आपने कभी किसी दुकानदार से शिकायत करने की हिमाकत की होगी तो बदले में आपको उसका दुर्व्यवहार ही झेलना पड़ा होगा। यदि आपने कभी ट्रेन से सफर किया होगा तो आपको पता होगा कि ट्रेन में बिकने वाले खाने पीने की ज्यादातर चीजें घटिया होती हैं। यहाँ तक की पैंट्री में मिलने वाला खाना भी घटिया क्वालिटी का होता है। भारत में मिलावट, कालाबाजारी, जमाखोरी, कम वजन, आदि की पुरानी परंपरा रही है। **1960** के दशक से भारत में उपभोक्ता आंदोलन शुरु हुए थे। **1970** के दशक तक उपभोक्ता आंदोलन केवल आर्टिकल लिखने और प्रदर्शनी लगाने तक ही सीमित था। लेकिन हाल के वर्षों में उपभोक्ता संगठनों की संख्या में तेजी से उछाल आया है।

विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से लोगों में इतनी अधिक असंतुष्टि थी कि उपभोक्ताओं के पास अपनी आवाज उठाने के सिवा और कोई रास्ता नहीं बचा था। कई वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सरकार को इसकी खैर लेने के लिये बाधित होना पड़ा और इसकी परिणति के रूप में **1986** में कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऐक्ट (कोपरा) को लागू किया गया। एक उपभोक्ता को किसी उत्पाद के बारे में सही जानकारी पाने का अधिकार होता है। अब ऐसे कानून हैं जो किसी उत्पाद के पैक पर अवयवों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना अनिवार्य बनाते हैं। सही सूचना से उपभोक्ता को किसी भी उत्पाद को खरीदने के लिये उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। किसी भी उत्पाद के पैक पर अधिकतम खुदरा मूल्य लिखना भी अनिवार्य होता है। यदि कोई दुकानदार

एमआरपी से अधिक चार्ज करता है तो उपभोक्ता उसकी शिकायत कर सकता है। एक उपभोक्ता को विभिन्न विकल्पों में से चुनने का अधिकार होता है। कोई भी विक्रेता केवल एक ही ब्रांड पेश नहीं कर सकता है। उसे अपने ग्राहक को कई विकल्प देने होंगे। इस अधिकार को मोनोपॉली ट्रेड के खिलाफ बने कानूनों के जरिये लागू किया जाता है।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: यदि उपभोक्ता नहीं होंगे तो कंपनी का क्या नहीं रहेगा?

1. वितरण
2. अस्तित्व
3. परिचालन
4. मुनाफा

Correct Answer :-

- अस्तित्व

---

22) किसी उत्पाद का इस्तेमाल करके उपभोक्ता भी बाजार में भागीदार बन जाता है। यदि उपभोक्ता नहीं होंगे तो किसी भी कम्पनी का अस्तित्व नहीं होगा। जहाँ तक उपभोक्ता के अधिकार का सवाल है तो उपभोक्ता की स्थिति दयनीय ही कही जायेगी। इसको समझने के लिये आप वैसे दुकानदार का उदाहरण ले सकते हैं जो कम वजन तौलता है या वह कम्पनी जो अपने पैक पर झूठे वादे करती है। ज्यादातर मिठाई बेचने वाले कच्चे माल में मिलावट करके लड्डू या बर्फी बनाते हैं। कुछ वर्षों पहले मिलावटी सरसों तेल से फैलने वाली ड्रॉप्सी नाम की बीमारी आपको याद होगी। यदि आपने कभी किसी दुकानदार से शिकायत करने की हिमाकत की होगी तो बदले में आपको उसका दुर्व्यवहार ही झेलना पड़ा होगा। यदि आपने कभी ट्रेन से सफर किया होगा तो आपको पता होगा कि ट्रेन में बिकने वाले खाने पीने की ज्यादातर चीजें घटिया होती हैं। यहाँ तक की पैंट्री में मिलने वाला खाना भी घटिया क्वालिटी का होता है। भारत में मिलावट, कालाबाजारी, जमाखोरी, कम वजन, आदि की पुरानी परंपरा रही है। **1960** के दशक से भारत में उपभोक्ता आंदोलन शुरु हुए थे। **1970** के दशक तक उपभोक्ता आंदोलन केवल आर्टिकल लिखने और प्रदर्शनी लगाने तक ही सीमित था। लेकिन हाल के वर्षों में उपभोक्ता संगठनों की संख्या में तेजी से उछाल आया है।

विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से लोगों में इतनी अधिक असंतुष्टि थी कि उपभोक्ताओं के पास अपनी आवाज उठाने के सिवा और कोई रास्ता नहीं बचा था। कई वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सरकार को इसकी खैर लेने के लिये बाधित होना पड़ा और इसकी परिणति के रूप में **1986** में कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऐक्ट (कोपरा) को लागू किया गया। एक उपभोक्ता को किसी उत्पाद के बारे में सही जानकारी पाने का अधिकार होता है। अब ऐसे कानून हैं जो किसी उत्पाद के पैक पर अवयवों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना अनिवार्य बनाते हैं। सही सूचना से उपभोक्ता को किसी भी उत्पाद को खरीदने के लिये उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। किसी भी उत्पाद के पैक पर अधिकतम खुदरा मूल्य लिखना भी अनिवार्य होता है। यदि कोई दुकानदार एमआरपी से अधिक चार्ज करता है तो उपभोक्ता उसकी शिकायत कर सकता है। एक उपभोक्ता को विभिन्न विकल्पों में से चुनने का अधिकार होता है। कोई भी विक्रेता केवल एक ही ब्रांड पेश नहीं कर सकता है। उसे अपने ग्राहक को कई विकल्प देने होंगे। इस अधिकार को मोनोपॉली ट्रेड के खिलाफ बने कानूनों के जरिये लागू किया जाता है।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: विक्रेता को अपने ग्राहकों को क्या कई देने होंगे?

1. पैक
2. विकल्प
3. उत्पाद
4. मूल्य

Correct Answer :-

- विकल्प

---

23) किसी उत्पाद का इस्तेमाल करके उपभोक्ता भी बाजार में भागीदार बन जाता है। यदि उपभोक्ता नहीं होंगे तो किसी भी कम्पनी का अस्तित्व नहीं होगा। जहाँ तक उपभोक्ता के अधिकार का सवाल है तो उपभोक्ता की स्थिति दयनीय ही कही जायेगी। इसको समझने के लिये आप वैसे दुकानदार का उदाहरण ले सकते हैं जो कम वजन तौलता है या वह कम्पनी जो अपने पैक पर झूठे वादे करती है। ज्यादातर मिठाई बेचने वाले कच्चे माल में मिलावट करके लड्डू या बर्फी बनाते हैं। कुछ वर्षों पहले मिलावटी सरसों तेल से फैलने वाली ड्रॉप्सी नाम की बीमारी आपको याद होगी। यदि आपने कभी किसी दुकानदार से शिकायत करने की हिमाकत की होगी तो बदले में आपको उसका दुर्व्यवहार ही झेलना पड़ा होगा। यदि आपने कभी ट्रेन से सफर किया होगा तो आपको पता होगा कि ट्रेन में बिकने वाले खाने पीने की ज्यादातर चीजें घटिया होती हैं। यहाँ तक की पैंट्री में मिलने वाला खाना भी घटिया क्वालिटी का होता है। भारत में मिलावट, कालाबाजारी, जमाखोरी, कम वजन, आदि की पुरानी परंपरा रही है। **1960** के दशक से भारत में उपभोक्ता आंदोलन शुरु हुए थे। **1970** के दशक तक उपभोक्ता आंदोलन केवल आर्टिकल लिखने और प्रदर्शनी लगाने तक ही सीमित था। लेकिन हाल के वर्षों में उपभोक्ता संगठनों की संख्या में तेजी से उछाल आया है।

विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से लोगों में इतनी अधिक असंतुष्टि थी कि उपभोक्ताओं के पास अपनी आवाज उठाने के सिवा और कोई रास्ता नहीं बचा था। कई वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सरकार को इसकी खैर लेने के लिये बाधित होना पड़ा और इसकी परिणति के रूप में **1986** में कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऐक्ट (कोपरा) को लागू किया गया। एक उपभोक्ता को किसी उत्पाद के बारे में सही जानकारी पाने का अधिकार होता है। अब ऐसे कानून हैं जो किसी उत्पाद के पैक पर अवयवों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना अनिवार्य बनाते हैं। सही सूचना से उपभोक्ता को किसी भी उत्पाद को खरीदने के लिये उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। किसी भी उत्पाद के पैक पर अधिकतम खुदरा मूल्य लिखना भी अनिवार्य होता है। यदि कोई दुकानदार एमआरपी से अधिक चार्ज करता है तो उपभोक्ता उसकी शिकायत कर सकता है। एक उपभोक्ता को विभिन्न विकल्पों में से चुनने का अधिकार होता है। कोई भी विक्रेता केवल एक ही ब्रांड पेश नहीं कर सकता है। उसे अपने ग्राहक को कई विकल्प देने होंगे। इस अधिकार को मोनोपॉली ट्रेड के खिलाफ बने कानूनों के जरिये लागू किया जाता है।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: अधिकारों के मामले में भारतीय उपभोक्ताओं की स्थिति कैसी है?

1. मजबूत
2. सबल
3. दयनीय
4. प्रबल

Correct Answer :-

Adda247 GET IT ON Google Play

- दयनीय

24) किसी उत्पाद का इस्तेमाल करके उपभोक्ता भी बाजार में भागीदार बन जाता है। यदि उपभोक्ता नहीं होंगे तो किसी भी कम्पनी का अस्तित्व नहीं होगा। जहाँ तक उपभोक्ता के अधिकार का सवाल है तो उपभोक्ता की स्थिति दयनीय ही कही जायेगी। इसको समझने के लिये आप वैसे दुकानदार का उदाहरण ले सकते हैं जो कम वजन तौलता है या वह कम्पनी जो अपने पैक पर झूठे वादे करती है। ज्यादातर मिठाई बेचने वाले कच्चे माल में मिलावट करके लड्डू या बर्फी बनाते हैं। कुछ वर्षों पहले मिलावटी सरसों तेल से फैलने वाली ड्रॉप्सी नाम की बीमारी आपको याद होगी। यदि आपने कभी किसी दुकानदार से शिकायत करने की हिमाकत की होगी तो बदले में आपको उसका दुर्व्यवहार ही झेलना पड़ा होगा। यदि आपने कभी ट्रेन से सफर किया होगा तो आपको पता होगा कि ट्रेन में बिकने वाले खाने पीने की ज्यादातर चीजें घटिया होती हैं। यहाँ तक की पैंट्री में मिलने वाला खाना भी घटिया क्वालिटी का होता है। भारत में मिलावट, कालाबाजारी, जमाखोरी, कम वजन, आदि की पुरानी परंपरा रही है। **1960** के दशक से भारत में उपभोक्ता आंदोलन शुरु हुए थे। **1970** के दशक तक उपभोक्ता आंदोलन केवल आर्टिकल लिखने और प्रदर्शनी लगाने तक ही सीमित था। लेकिन हाल के वर्षों में उपभोक्ता संगठनों की संख्या में तेजी से उछाल आया है।

विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से लोगों में इतनी अधिक असंतुष्टि थी कि उपभोक्ताओं के पास अपनी आवाज उठाने के सिवा और कोई रास्ता नहीं बचा था। कई वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सरकार को इसकी खैर लेने के लिये बाधित होना पड़ा और इसकी परिणति के रूप में **1986** में कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऐक्ट (कोपरा) को लागू किया गया। एक उपभोक्ता को किसी उत्पाद के बारे में सही जानकारी पाने का अधिकार होता है। अब ऐसे कानून हैं जो किसी उत्पाद के पैक पर अवयवों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना अनिवार्य बनाते हैं। सही सूचना से उपभोक्ता को किसी भी उत्पाद को खरीदने के लिये उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। किसी भी उत्पाद के पैक पर अधिकतम खुदरा मूल्य लिखना भी अनिवार्य होता है। यदि कोई दुकानदार एमआरपी से अधिक चार्ज करता है तो उपभोक्ता उसकी शिकायत कर सकता है। एक उपभोक्ता को विभिन्न विकल्पों में से चुनने का अधिकार होता है। कोई भी विक्रेता केवल एक ही ब्रांड पेश नहीं कर सकता है। उसे अपने ग्राहक को कई विकल्प देने होंगे। इस अधिकार को मोनोपॉली ट्रेड के खिलाफ बने कानूनों के जरिये लागू किया जाता है।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: किसी उत्पाद के पैक पर क्या लिखना अनिवार्य होता है?

1. उत्पाद की सूचना
2. उत्पाद का रंग
3. सामान की गुणवत्ता
4. अधिकतम खुदरा मूल्य

Correct Answer :-

- अधिकतम खुदरा मूल्य

25) किसी उत्पाद का इस्तेमाल करके उपभोक्ता भी बाजार में भागीदार बन जाता है। यदि उपभोक्ता नहीं होंगे तो किसी भी कम्पनी का अस्तित्व नहीं होगा। जहाँ तक उपभोक्ता के अधिकार का सवाल है तो उपभोक्ता की स्थिति दयनीय ही कही जायेगी। इसको समझने के लिये आप वैसे दुकानदार का उदाहरण ले सकते हैं जो कम वजन तौलता है या वह कम्पनी जो अपने पैक पर झूठे वादे करती है। ज्यादातर मिठाई बेचने वाले कच्चे माल में मिलावट करके लड्डू या बर्फी बनाते हैं। कुछ वर्षों पहले मिलावटी सरसों तेल से फैलने वाली ड्रॉप्सी नाम की बीमारी आपको याद होगी। यदि आपने कभी किसी दुकानदार से शिकायत करने की हिमाकत की होगी तो बदले में आपको उसका दुर्व्यवहार ही झेलना पड़ा होगा। यदि आपने कभी ट्रेन से सफर किया होगा तो आपको पता होगा कि ट्रेन में बिकने वाले खाने पीने की ज्यादातर चीजें घटिया होती हैं। यहाँ तक की पैंट्री में मिलने वाला खाना भी घटिया क्वालिटी का होता है। भारत में मिलावट, कालाबाजारी, जमाखोरी, कम वजन, आदि की पुरानी परंपरा रही है। **1960** के दशक से भारत में उपभोक्ता आंदोलन शुरु हुए थे। **1970** के दशक तक उपभोक्ता आंदोलन केवल आर्टिकल लिखने और प्रदर्शनी लगाने तक ही सीमित था। लेकिन हाल के वर्षों में उपभोक्ता संगठनों की संख्या में तेजी से उछाल आया है।

विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से लोगों में इतनी अधिक असंतुष्टि थी कि उपभोक्ताओं के पास अपनी आवाज उठाने के सिवा और कोई रास्ता नहीं बचा था। कई वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सरकार को इसकी खैर लेने के लिये बाधित होना पड़ा और इसकी परिणति के रूप में **1986** में कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऐक्ट (कोपरा) को लागू किया गया। एक उपभोक्ता को किसी उत्पाद के बारे में सही जानकारी पाने का अधिकार होता है। अब ऐसे कानून हैं जो किसी उत्पाद के पैक पर अवयवों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना अनिवार्य बनाते हैं। सही सूचना से उपभोक्ता को किसी भी उत्पाद को खरीदने के लिये उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। किसी भी उत्पाद के पैक पर अधिकतम खुदरा मूल्य लिखना भी अनिवार्य होता है। यदि कोई दुकानदार एमआरपी से अधिक चार्ज करता है तो उपभोक्ता उसकी शिकायत कर सकता है। एक उपभोक्ता को विभिन्न विकल्पों में से चुनने का अधिकार होता है। कोई भी विक्रेता केवल एक ही ब्रांड पेश नहीं कर सकता है। उसे अपने ग्राहक को कई विकल्प देने होंगे। इस अधिकार को मोनोपॉली ट्रेड के खिलाफ बने कानूनों के जरिये लागू किया जाता है।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: भारत में उपभोक्ता आंदोलन किस दशक में शुरू हुए थे?

1. 1980
2. 1960
3. 1950
4. 1970

Correct Answer :-

- 1960

26) किसी उत्पाद का इस्तेमाल करके उपभोक्ता भी बाजार में भागीदार बन जाता है। यदि उपभोक्ता नहीं होंगे तो किसी भी कम्पनी का अस्तित्व नहीं होगा। जहाँ तक उपभोक्ता के अधिकार का सवाल है तो उपभोक्ता की स्थिति दयनीय ही कही जायेगी। इसको समझने के लिये आप वैसे दुकानदार का उदाहरण ले सकते हैं जो कम वजन तौलता है या वह कम्पनी जो अपने पैक पर झूठे वादे करती है। ज्यादातर मिठाई बेचने वाले कच्चे माल में मिलावट करके लड्डू या बर्फी बनाते हैं। कुछ वर्षों पहले मिलावटी सरसों तेल से फैलने वाली ड्रॉप्सी नाम की बीमारी आपको याद होगी। यदि आपने कभी किसी दुकानदार से शिकायत करने की हिमाकत की होगी तो बदले में आपको उसका दुर्व्यवहार ही झेलना पड़ा होगा। यदि आपने कभी ट्रेन से सफर किया होगा तो आपको पता होगा कि ट्रेन में बिकने वाले खाने पीने की ज्यादातर चीजें घटिया होती हैं। यहाँ तक की पैंट्री में मिलने वाला खाना भी घटिया क्वालिटी का होता है। भारत में मिलावट, कालाबाजारी, जमाखोरी, कम वजन, आदि की पुरानी परंपरा रही है। **1960** के दशक से भारत में उपभोक्ता आंदोलन शुरु हुए थे। **1970** के दशक तक उपभोक्ता आंदोलन केवल आर्टिकल लिखने और प्रदर्शनी लगाने तक ही सीमित था। लेकिन हाल के वर्षों में उपभोक्ता संगठनों की संख्या में तेजी से उछाल आया है।

विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से लोगों में इतनी अधिक असंतुष्टि थी कि उपभोक्ताओं के पास अपनी आवाज उठाने के सिवा और कोई रास्ता नहीं बचा था। कई वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सरकार को इसकी खैर लेने के लिये बाधित होना पड़ा और इसकी परिणति के रूप में **1986** में कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऐक्ट (कोपरा) को लागू किया गया। एक उपभोक्ता को किसी उत्पाद के बारे में सही जानकारी पाने का अधिकार होता है। अब ऐसे कानून हैं जो किसी उत्पाद के पैक पर अवयवों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना अनिवार्य बनाते हैं। सही सूचना से उपभोक्ता को किसी भी उत्पाद को खरीदने के लिये उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। किसी भी उत्पाद के पैक पर अधिकतम खुदरा मूल्य लिखना भी अनिवार्य होता है। यदि कोई दुकानदार

एमआरपी से अधिक चार्ज करता है तो उपभोक्ता उसकी शिकायत कर सकता है। एक उपभोक्ता को विभिन्न विकल्पों में से चुनने का अधिकार होता है। कोई भी विक्रेता केवल एक ही ब्रांड पेश नहीं कर सकता है। उसे अपने ग्राहक को कई विकल्प देने होंगे। इस अधिकार को मोनोपॉली ट्रेड के खिलाफ बने कानूनों के जरिये लागू किया जाता है।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: हाल के वर्षों में उपभोक्ता संगठनों की संख्या में तेजी से क्या आया है?

1. गिरावट
2. मंदी
3. तेजी
4. उछाल

Correct Answer :-

- उछाल

---

27) किसी उत्पाद का इस्तेमाल करके उपभोक्ता भी बाजार में भागीदार बन जाता है। यदि उपभोक्ता नहीं होंगे तो किसी भी कम्पनी का अस्तित्व नहीं होगा। जहाँ तक उपभोक्ता के अधिकार का सवाल है तो उपभोक्ता की स्थिति दयनीय ही कही जायेगी। इसको समझने के लिये आप वैसे दुकानदार का उदाहरण ले सकते हैं जो कम वजन तौलता है या वह कम्पनी जो अपने पैक पर झूठे वादे करती है। ज्यादातर मिठाई बेचने वाले कच्चे माल में मिलावट करके लड्डू या बर्फी बनाते हैं। कुछ वर्षों पहले मिलावटी सरसों तेल से फैलने वाली ड्रॉप्सी नाम की बीमारी आपको याद होगी। यदि आपने कभी किसी दुकानदार से शिकायत करने की हिमाकत की होगी तो बदले में आपको उसका दुर्व्यवहार ही झेलना पड़ा होगा। यदि आपने कभी ट्रेन से सफर किया होगा तो आपको पता होगा कि ट्रेन में बिकने वाले खाने पीने की ज्यादातर चीजें घटिया होती हैं। यहाँ तक की पैंट्री में मिलने वाला खाना भी घटिया क्वालिटी का होता है। भारत में मिलावट, कालाबाजारी, जमाखोरी, कम वजन, आदि की पुरानी परंपरा रही है। **1960** के दशक से भारत में उपभोक्ता आंदोलन शुरु हुए थे। **1970** के दशक तक उपभोक्ता आंदोलन केवल आर्टिकल लिखने और प्रदर्शनी लगाने तक ही सीमित था। लेकिन हाल के वर्षों में उपभोक्ता संगठनों की संख्या में तेजी से उछाल आया है।

विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से लोगों में इतनी अधिक असंतुष्टि थी कि उपभोक्ताओं के पास अपनी आवाज उठाने के सिवा और कोई रास्ता नहीं बचा था। कई वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सरकार को इसकी खैर लेने के लिये बाधित होना पड़ा और इसकी परिणति के रूप में **1986** में कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऐक्ट (कोपरा) को लागू किया गया। एक उपभोक्ता को किसी उत्पाद के बारे में सही जानकारी पाने का अधिकार होता है। अब ऐसे कानून हैं जो किसी उत्पाद के पैक पर अवयवों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना अनिवार्य बनाते हैं। सही सूचना से उपभोक्ता को किसी भी उत्पाद को खरीदने के लिये उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। किसी भी उत्पाद के पैक पर अधिकतम खुदरा मूल्य लिखना भी अनिवार्य होता है। यदि कोई दुकानदार एमआरपी से अधिक चार्ज करता है तो उपभोक्ता उसकी शिकायत कर सकता है। एक उपभोक्ता को विभिन्न विकल्पों में से चुनने का अधिकार होता है। कोई भी विक्रेता केवल एक ही ब्रांड पेश नहीं कर सकता है। उसे अपने ग्राहक को कई विकल्प देने होंगे। इस अधिकार को मोनोपॉली ट्रेड के खिलाफ बने कानूनों के जरिये लागू किया जाता है।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: दुकानदार से उसकी शिकायत करने पर आपको उसका क्या झेलना पड़ा होगा?

1. बुरा जलपान
2. दुर्व्यवहार
3. लंबी लाइन
4. लंबी वार्ता

Correct Answer :-

- दुर्व्यवहार

---

28) किसी उत्पाद का इस्तेमाल करके उपभोक्ता भी बाजार में भागीदार बन जाता है। यदि उपभोक्ता नहीं होंगे तो किसी भी कम्पनी का अस्तित्व नहीं होगा। जहाँ तक उपभोक्ता के अधिकार का सवाल है तो उपभोक्ता की स्थिति दयनीय ही कही जायेगी। इसको समझने के लिये आप वैसे दुकानदार का उदाहरण ले सकते हैं जो कम वजन तौलता है या वह कम्पनी जो अपने पैक पर झूठे वादे करती है। ज्यादातर मिठाई बेचने वाले कच्चे माल में मिलावट करके लड्डू या बर्फी बनाते हैं। कुछ वर्षों पहले मिलावटी सरसों तेल से फैलने वाली ड्रॉप्सी नाम की बीमारी आपको याद होगी। यदि आपने कभी किसी दुकानदार से शिकायत करने की हिमाकत की होगी तो बदले में आपको उसका दुर्व्यवहार ही झेलना पड़ा होगा। यदि आपने कभी ट्रेन से सफर किया होगा तो आपको पता होगा कि ट्रेन में बिकने वाले खाने पीने की ज्यादातर चीजें घटिया होती हैं। यहाँ तक की पैंट्री में मिलने वाला खाना भी घटिया क्वालिटी का होता है। भारत में मिलावट, कालाबाजारी, जमाखोरी, कम वजन, आदि की पुरानी परंपरा रही है। **1960** के दशक से भारत में उपभोक्ता आंदोलन शुरु हुए थे। **1970** के दशक तक उपभोक्ता आंदोलन केवल आर्टिकल लिखने और प्रदर्शनी लगाने तक ही सीमित था। लेकिन हाल के वर्षों में उपभोक्ता संगठनों की संख्या में तेजी से उछाल आया है।

विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से लोगों में इतनी अधिक असंतुष्टि थी कि उपभोक्ताओं के पास अपनी आवाज उठाने के सिवा और कोई रास्ता नहीं बचा था। कई वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सरकार को इसकी खैर लेने के लिये बाधित होना पड़ा और इसकी परिणति के रूप में **1986** में कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऐक्ट (कोपरा) को लागू किया गया। एक उपभोक्ता को किसी उत्पाद के बारे में सही जानकारी पाने का अधिकार होता है। अब ऐसे कानून हैं जो किसी उत्पाद के पैक पर अवयवों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना अनिवार्य बनाते हैं। सही सूचना से उपभोक्ता को किसी भी उत्पाद को खरीदने के लिये उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। किसी भी उत्पाद के पैक पर अधिकतम खुदरा मूल्य लिखना भी अनिवार्य होता है। यदि कोई दुकानदार एमआरपी से अधिक चार्ज करता है तो उपभोक्ता उसकी शिकायत कर सकता है। एक उपभोक्ता को विभिन्न विकल्पों में से चुनने का अधिकार होता है। कोई भी विक्रेता केवल एक ही ब्रांड पेश नहीं कर सकता है। उसे अपने ग्राहक को कई विकल्प देने होंगे। इस अधिकार को मोनोपॉली ट्रेड के खिलाफ बने कानूनों के जरिये लागू किया जाता है।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: ट्रेन में बिकने वाली खाने-पीने वाली ज़्यादातर चीज़ों की गुणवत्ता कैसी होती है?

1. घटिया
2. बढ़िया
3. उत्कृष्ट
4. सामान्य

Correct Answer :-

Adda247 GET IT ON Google Play

- घटिया

29) किसी उत्पाद का इस्तेमाल करके उपभोक्ता भी बाजार में भागीदार बन जाता है। यदि उपभोक्ता नहीं होंगे तो किसी भी कम्पनी का अस्तित्व नहीं होगा। जहाँ तक उपभोक्ता के अधिकार का सवाल है तो उपभोक्ता की स्थिति दयनीय ही कही जायेगी। इसको समझने के लिये आप वैसे दुकानदार का उदाहरण ले सकते हैं जो कम वजन तौलता है या वह कम्पनी जो अपने पैक पर झूठे वादे करती है। ज्यादातर मिठाई बेचने वाले कच्चे माल में मिलावट करके लड्डू या बर्फी बनाते हैं। कुछ वर्षों पहले मिलावटी सरसों तेल से फैलने वाली ड्रॉप्सी नाम की बीमारी आपको याद होगी। यदि आपने कभी किसी दुकानदार से शिकायत करने की हिमाकत की होगी तो बदले में आपको उसका दुर्व्यवहार ही झेलना पड़ा होगा। यदि आपने कभी ट्रेन से सफर किया होगा तो आपको पता होगा कि ट्रेन में बिकने वाले खाने पीने की ज्यादातर चीजें घटिया होती हैं। यहाँ तक की पैंट्री में मिलने वाला खाना भी घटिया क्वालिटी का होता है। भारत में मिलावट, कालाबाजारी, जमाखोरी, कम वजन, आदि की पुरानी परंपरा रही है। **1960** के दशक से भारत में उपभोक्ता आंदोलन शुरु हुए थे। **1970** के दशक तक उपभोक्ता आंदोलन केवल आर्टिकल लिखने और प्रदर्शनी लगाने तक ही सीमित था। लेकिन हाल के वर्षों में उपभोक्ता संगठनों की संख्या में तेजी से उछाल आया है।

विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से लोगों में इतनी अधिक असंतुष्टि थी कि उपभोक्ताओं के पास अपनी आवाज उठाने के सिवा और कोई रास्ता नहीं बचा था। कई वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सरकार को इसकी खैर लेने के लिये बाधित होना पड़ा और इसकी परिणति के रूप में **1986** में कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऐक्ट (कोपरा) को लागू किया गया। एक उपभोक्ता को किसी उत्पाद के बारे में सही जानकारी पाने का अधिकार होता है। अब ऐसे कानून हैं जो किसी उत्पाद के पैक पर अवयवों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना अनिवार्य बनाते हैं। सही सूचना से उपभोक्ता को किसी भी उत्पाद को खरीदने के लिये उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। किसी भी उत्पाद के पैक पर अधिकतम खुदरा मूल्य लिखना भी अनिवार्य होता है। यदि कोई दुकानदार एमआरपी से अधिक चार्ज करता है तो उपभोक्ता उसकी शिकायत कर सकता है। एक उपभोक्ता को विभिन्न विकल्पों में से चुनने का अधिकार होता है। कोई भी विक्रेता केवल एक ही ब्रांड पेश नहीं कर सकता है। उसे अपने ग्राहक को कई विकल्प देने होंगे। इस अधिकार को मोनोपॉली ट्रेड के खिलाफ बने कानूनों के जरिये लागू किया जाता है।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: किसी उत्पाद का इस्तेमाल करके उपभोक्ता बाज़ार में क्या बन जाता है?

1. भागीदार
2. नामदार
3. खरीददार
4. दुकानदार

Correct Answer :-

- भागीदार

30) किसी उत्पाद का इस्तेमाल करके उपभोक्ता भी बाजार में भागीदार बन जाता है। यदि उपभोक्ता नहीं होंगे तो किसी भी कम्पनी का अस्तित्व नहीं होगा। जहाँ तक उपभोक्ता के अधिकार का सवाल है तो उपभोक्ता की स्थिति दयनीय ही कही जायेगी। इसको समझने के लिये आप वैसे दुकानदार का उदाहरण ले सकते हैं जो कम वजन तौलता है या वह कम्पनी जो अपने पैक पर झूठे वादे करती है। ज्यादातर मिठाई बेचने वाले कच्चे माल में मिलावट करके लड्डू या बर्फी बनाते हैं। कुछ वर्षों पहले मिलावटी सरसों तेल से फैलने वाली ड्रॉप्सी नाम की बीमारी आपको याद होगी। यदि आपने कभी किसी दुकानदार से शिकायत करने की हिमाकत की होगी तो बदले में आपको उसका दुर्व्यवहार ही झेलना पड़ा होगा। यदि आपने कभी ट्रेन से सफर किया होगा तो आपको पता होगा कि ट्रेन में बिकने वाले खाने पीने की ज्यादातर चीजें घटिया होती हैं। यहाँ तक की पैंट्री में मिलने वाला खाना भी घटिया क्वालिटी का होता है। भारत में मिलावट, कालाबाजारी, जमाखोरी, कम वजन, आदि की पुरानी परंपरा रही है। **1960** के दशक से भारत में उपभोक्ता आंदोलन शुरु हुए थे। **1970** के दशक तक उपभोक्ता आंदोलन केवल आर्टिकल लिखने और प्रदर्शनी लगाने तक ही सीमित था। लेकिन हाल के वर्षों में उपभोक्ता संगठनों की संख्या में तेजी से उछाल आया है।

विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से लोगों में इतनी अधिक असंतुष्टि थी कि उपभोक्ताओं के पास अपनी आवाज उठाने के सिवा और कोई रास्ता नहीं बचा था। कई वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सरकार को इसकी खैर लेने के लिये बाधित होना पड़ा और इसकी परिणति के रूप में **1986** में कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऐक्ट (कोपरा) को लागू किया गया। एक उपभोक्ता को किसी उत्पाद के बारे में सही जानकारी पाने का अधिकार होता है। अब ऐसे कानून हैं जो किसी उत्पाद के पैक पर अवयवों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना अनिवार्य बनाते हैं। सही सूचना से उपभोक्ता को किसी भी उत्पाद को खरीदने के लिये उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। किसी भी उत्पाद के पैक पर अधिकतम खुदरा मूल्य लिखना भी अनिवार्य होता है। यदि कोई दुकानदार एमआरपी से अधिक चार्ज करता है तो उपभोक्ता उसकी शिकायत कर सकता है। एक उपभोक्ता को विभिन्न विकल्पों में से चुनने का अधिकार होता है। कोई भी विक्रेता केवल एक ही ब्रांड पेश नहीं कर सकता है। उसे अपने ग्राहक को कई विकल्प देने होंगे। इस अधिकार को मोनोपॉली ट्रेड के खिलाफ बने कानूनों के जरिये लागू किया जाता है।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: किस चीज़ से उपभोक्ता को किसी भी उत्पाद को खरीदने के लिये उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है?

1. सही पैकिंग
2. सही प्रिंट
3. सही सूचना
4. सही वजन

Correct Answer :-

- सही सूचना

Topic:- General Sanskrit(L2GS)

1)

श्लोकौ पठित्वा अधोदत्त प्रश्नं शुद्धविकल्पेन सूचयत -

त्यजेत् क्षुधार्ता जननी स्वपुत्रं , खादेत् क्षुधार्ता भुजगी स्वमण्डम् |
बुभुक्षित: किं न करोति पापं , क्षीणा जना निष्करुणा भवन्ति ||

वनेऽपि सिंहा मृगमांसभक्षिणो बुभुक्षिता नैव तृणं चरन्ति |
एवं कुलीना व्यसनाभिभूता न नीचकर्माणि समाचरन्ति ||

बुभुक्षिताः सिंहाः एतत् न चरन्ति ।

1. तृणम्
2. फलम्
3. पायसम्
4. अन्नम्

Correct Answer :-

. तृणम्

2)

Adda247 GET IT ON Google Play

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

मदनमोहनमालवीयस्य जन्म १८५१ तमे क्रिस्ताब्दे प्रयागनगरे अभवत्। अस्य पिता धार्मिकः ब्राह्मणः उपदेशकः च आसीत्। बाल्ये मदनमोहनः संस्कृतपाठशालायाम् अपठत्। ततश्च प्रयागविश्वविद्यालयात् बी.ए. उपाधिं गृहीत्वा अध्यापकः अभवत्। अनन्तरम् अयम् उच्चतरां शिक्षां गृहीत्वा महान् सम्पादकः, वाक्कीलः, अनुपमः भाषणकर्ता च अभवत्। भारतीय-संस्कृतेः रक्षार्थम् असौ महाभागः वाराणस्यां 'हिन्दू विश्वविद्यालयः' इति नाम्ना महतः संस्थानस्य स्थापनां कृतवान्। तदा च असौ एव तस्य संस्थानस्य प्रथमः कुलपतिः अभवत्। कतिपयवर्षानन्तरं श्रीमालवीयः कान्ग्रेससंस्थायां प्रविष्टः अभवत्। असौ निर्मलचरित्रः, भारतीयायाः सभ्यतायाः परमः भक्तः, सत्यवक्ता, सुभाषणकर्ता च आसीत्। अतः शीघ्रमेव अखिलभारतीयेषु नेतृषु अस्य गणना अभवत्। महात्मा गान्धी मालवीयं स्वज्येष्ठभ्रातृतुल्यम् अमन्यत। यद्यपि अयं भारतीयस्वाधीनतायाः परमः समर्थकः अभवत् तथापि आंग्लाः शासकाः भारतीयाः जनाः च समकालमेव अस्य बहुसम्मानम् अकुर्वन्। १९४६ तमे वर्षे असौ परलोकमगच्छत्। लोके नरपतिहितकर्ता द्वेष्यतां याति, जनपदहितकर्ता पार्थिवस्य द्वेष्यतां प्राप्नोति। एतादृशः एव दुर्लभः नेता आसीत् श्रीमान् मालवीयः।

गृहीत्वा- इत्यत्र अयं प्रत्ययः भवति-

1. तव्यत्
2. क्तवतु
3. तुमुन्
4. क्त्वा

Correct Answer :-

. क्त्वा

3)

श्लोकौ पठित्वा अधोदत्त प्रश्नं शुद्धविकल्पेन सूचयत -

त्यजेत् क्षुधार्ता जननी स्वपुत्रं , खादेत् क्षुधार्ता भुजगी स्वमण्डम् |
बुभुक्षित: किं न करोति पापं , क्षीणा जना निष्करुणा भवन्ति ||

वनेऽपि सिंहा मृगमांसभक्षिणो बुभुक्षिता नैव तृणं चरन्ति |
एवं कुलीना व्यसनाभिभूता न नीचकर्माणि समाचरन्ति ||

एते न नीचकर्माणि समाचरन्ति ।

1. मुग्धाः
2. दरिद्राः
3. कुलीनाः
4. कुलहीनाः

Correct Answer :-

- कुलीनाः

---

4) कर्मणि _____

1. द्वितीया
2. चतुर्थी
3. प्रथमा
4. तृतीया

Correct Answer :-

- द्वितीया

---

5)

Adda247 GET IT ON Google Play

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

प्राचीनकाले छात्राः गुरोः गृहे वसन्ति स्म । तत्रैव अध्ययनं कुर्वन्ति स्म । सः गुरुकुलः इति कथ्यते । प्राचीनशिक्षणं प्रायशः गुरुकुले भवति स्म । अतः इयम् एका प्राचीना शिक्षणपद्धतिः इति वक्तुं शक्नुमः। एषा पद्धतिः वेदकालात् प्रसिद्धा अस्ति । गुरुकुले गुरुपत्नी एव मातेव छात्रान् पालयति ।

याज्ञवल्क्यभृगुवारुण्यादयः उपनिषत्सु प्रसिद्धाः सन्ति । रामायणे लवकुशयोः विद्याभ्यासः वाल्मीकेः गुरुकुले अभवत् इति तु प्रसिद्ध एव । महाभारते सान्दीपिनिगुरोः समीपे कृष्णकुचेलयोः विद्याभ्यासः अभवत् इति वयं जानीमः । एवं सर्वयुगेषु इयं पद्धतिः प्रसिद्धास्ति ।

गुरुकुले छात्राः वेदाशास्त्रादीनाम् अभ्यासं कुर्वन्ति । अभ्यासेन सह गुरुकुलोपयोगीन् शाकादीन् उत्पादयन्ति । प्रातः सायं च गोदोहनं कुर्वन्ति । गुरुपत्न्याः सहायं कुर्वन्ति । छात्राः वस्त्रप्रक्षालनस्नानादीनि स्वकार्याणि स्वयमेव कुर्वन्ति । छात्राः बहुवर्षाणि अधीत्य अन्ते गुरुदक्षिणां गुरवे ददति ।

आधुनिककालेऽपि बहवः गुरुकुलाः वेदशास्त्रादीन् अध्यापयन्ति । अत्र प्राचीनविषयैः सह गणकयन्त्रगणितविज्ञानादीनां नवीनविषयानाम् अध्यापनमपि भवति । किन्तु प्रायशः आधुनिकगुरुकुले छात्राः गुरुकुले वसन्ति अध्यापकाश्च स्वस्वगृहेभ्यः आगत्य पाठयन्ति ।

गुरुदक्षिणा अस्मिन् समये दीयते -

1. अध्ययनसमये
2. अध्ययनादौ
3. अध्ययनान्ते
4. अनध्ययने

Correct Answer :-

. अध्ययनान्ते

6) 'सन्नच्युतः' ___ सन्धेः उदाहरणम् ।

1. छत्व
2. ङमुडागम

3. धुडागम
4. तुगागम

Correct Answer :-

- ङमुडागम

7) श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत –

विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा सदसि वाक्पटुता युधि विक्रमः |
यशसि चाभिरूचिर्व्यसनं श्रुतौ प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम् ||
प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः ।
तस्मात् तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता ॥

अस्मिन् महात्मनः अभिरुचिः भवति ।

1. यशसि
2. ज्ञाने
3. धने
4. जीवने

Correct Answer :-

- यशसि

8) महाभारते कति श्लोकाः सन्ति ?

1. एकलक्ष
2. दशलक्ष
3. पञ्चलक्ष
4. षड्लक्ष

Correct Answer :-

- एकलक्ष

Adda247

9)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत –

विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा सदसि वाक्पटुता युधि विक्रमः |
यशसि चाभिरूचिर्व्यसनं श्रुतौ प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम् ||
प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः ।
तस्मात् तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता ॥

'वक्तव्यम्' अत्रायं प्रत्ययः भवति।

1. क्त
2. क्तवतु
3. तव्यत्
4. ल्यप्

Correct Answer :-

- तव्यत्

10)

श्लोकौ पठित्वा अधोदत्त प्रश्नं शुद्धविकल्पेन सूचयत -

त्यजेत् क्षुधार्ता जननी स्वपुत्रं , खादेत् क्षुधार्ता भुजगी स्वमण्डम् |
बुभुक्षितः किं न करोति पापं , क्षीणा जना निष्करुणा भवन्ति ||
वनेऽपि सिंहा मृगमांसभक्षिणो बुभुक्षिता नैव तृणं चरन्ति |
एवं कुलीना व्यसनाभिभूता न नीचकर्माणि समाचरन्ति ||

'नीचकर्माणि' अत्र अयं समासः।

1. उपपदम्
2. द्विगुः

Adda247 GET IT ON Google Play

3. द्वन्द्व:

4. कर्मधारय:

Correct Answer :-

• कर्मधारय:

---

11)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

प्राचीनकाले छात्राः गुरोः गृहे वसन्ति स्म । तत्रैव अध्ययनं कुर्वन्ति स्म । सः गुरुकुलः इति कथ्यते । प्राचीनशिक्षणं प्रायशः गुरुकुले भवति स्म । अतः इयम् एका प्राचीना शिक्षणपद्धतिः इति वक्तुं शक्नुमः। एषा पद्धतिः वेदकालात् प्रसिद्धा अस्ति । गुरुकुले गुरुपत्नी एव मातेव छात्रान् पालयति ।

याज्ञवल्क्यभृगुवारुण्यादयः उपनिषत्सु प्रसिद्धाः सन्ति । रामायणे लवकुशयोः विद्याभ्यासः वाल्मीकेः गुरुकुले अभवत् इति तु प्रसिद्ध एव । महाभारते सान्दीपिनिगुरोः समीपे कृष्णकुचेलयोः विद्याभ्यासः अभवत् इति वयं जानीमः । एवं सर्वयुगेषु इयं पद्धतिः प्रसिद्धास्ति ।

गुरुकुले छात्राः वेदाशास्त्रादीनाम् अभ्यासं कुर्वन्ति । अभ्यासेन सह गुरुकुलोपयोगीन् शाकादीन् उत्पादयन्ति । प्रातः सायं च गोदोहनं कुर्वन्ति । गुरुपत्न्याः सहायं कुर्वन्ति । छात्राः वस्त्रप्रक्षालनस्नानादीनि स्वकार्याणि स्वयमेव कुर्वन्ति । छात्राः बहुवर्षाणि अधीत्य अन्ते गुरुदक्षिणां गुरवे ददति ।

आधुनिककालेऽपि बहवः गुरुकुला: वेदशास्त्रादीन् अध्यापयन्ति । अत्र प्राचीनविषयैः सह गणकयन्त्रगणितविज्ञानादीनां नवीनविषयानाम् अध्यापनमपि भवति । किन्तु प्रायशः आधुनिकगुरुकुले छात्राः गुरुकुले वसन्ति अध्यापकाश्च स्वस्वगृहेभ्यः आगत्य पाठयन्ति ।

गुरुकुले मातेव इयं भवति स्म -

1. धात्री
2. राज्ञी
3. भगिनी
4. गुरुपत्नी

Adda247

GET IT ON Google Play

Correct Answer :-

. गुरुपत्नी

12) 'विप्राय गां ददाति' अत्र ____ कारकम् |

1. अपादान
2. करण
3. सम्प्रदान
4. कर्म

Correct Answer :-

. सम्प्रदान

13) राजन् शब्दस्य षष्ठीविभक्तेः बहुवचनरूपमस्ति -

1. राजानां
2. राज्ञाम्
3. राजाणां
4. राजानम्

Correct Answer :-

. राज्ञाम्

14) श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत –

विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा सदसि वाक्पटुता युधि विक्रमः |
यशसि चाभिरूचिर्व्यसनं श्रुतौ प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम् ||
प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः ।
तस्मात् तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता ॥

नैषा वचने भवेत् ।

1. दीनता

2. कुलहीनता

3. मुग्धता

4. दरिद्रता

Correct Answer :-

. दरिद्रता

15) व्यञ्जनयोः अथवा व्यञ्जनानां संयोगेन किम् अक्षरं भवति ?

1. प्लुत

2. संयुक्ताक्षरम्

3. अनुनासिकः

4. अयोगवाहाः

Correct Answer :-

. संयुक्ताक्षरम्

16)

Adda247

GET IT ON Google Play

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

प्राचीनकाले छात्राः गुरोः गृहे वसन्ति स्म । तत्रैव अध्ययनं कुर्वन्ति स्म । सः गुरुकुलः इति कथ्यते । प्राचीनशिक्षणं प्रायशः गुरुकुले भवति स्म । अतः इयम् एका प्राचीना शिक्षणपद्धतिः इति वक्तुं शक्नुमः। एषा पद्धतिः वेदकालात् प्रसिद्धा अस्ति । गुरुकुले गुरुपत्नी एव मातेव छात्रान् पालयति ।

याज्ञवल्क्यभृगुवारुण्यादयः उपनिषत्सु प्रसिद्धाः सन्ति । रामायणे लवकुशयोः विद्याभ्यासः वाल्मीकेः गुरुकुले अभवत् इति तु प्रसिद्ध एव । महाभारते सान्दीपिनिगुरोः समीपे कृष्णकुचेलयोः विद्याभ्यासः अभवत् इति वयं जानीमः । एवं सर्वयुगेषु इयं पद्धतिः प्रसिद्धास्ति ।

गुरुकुले छात्राः वेदाशास्त्रादीनाम् अभ्यासं कुर्वन्ति । अभ्यासेन सह गुरुकुलोपयोगीन् शाकादीन् उत्पादयन्ति । प्रातः सायं च गोदोहनं कुर्वन्ति । गुरुपत्न्याः सहायं कुर्वन्ति । छात्राः वस्त्रप्रक्षालनस्नानादीनि स्वकार्याणि स्वयमेव कुर्वन्ति । छात्राः बहुवर्षाणि अधीत्य अन्ते गुरुदक्षिणां गुरवे ददति ।

आधुनिककालेऽपि बहवः गुरुकुलाः वेदशास्त्रादीन् अध्यापयन्ति । अत्र प्राचीनविषयैः सह गणकयन्त्रगणितविज्ञानादीनां नवीनविषयानाम् अध्यापनमपि भवति । किन्तु प्रायशः आधुनिकगुरुकुले छात्राः गुरुकुले वसन्ति अध्यापकाश्च स्वस्वगृहेभ्यः आगत्य पाठयन्ति ।

आधुनिककाले गुरवः इतः आगत्य पाठयन्ति -

1. स्वगृहात्
2. विद्यालयात्
3. मन्दिरात्
4. आश्रमात्

Correct Answer :-

. स्वगृहात्

17)

श्लोकौ पठित्वा अधोदत्त प्रश्नं शुद्धविकल्पेन सूचयत -

त्यजेत् क्षुधार्ता जननी स्वपुत्रं , खादेत् क्षुधार्ता भुजगी स्वमण्डम् |
बुभुक्षित: किं न करोति पापं , क्षीणा जना निष्करुणा भवन्ति ||

वनेऽपि सिंहा मृगमांसभक्षिणो बुभुक्षिता नैव तृणं चरन्ति |
एवं कुलीना व्यसनाभिभूता न नीचकर्माणि समाचरन्ति ||

एते निष्करुणाः भवन्ति ।

1. क्षीणजनाः
2. पापिनः
3. पुण्यवन्तः
4. क्रूराः

Correct Answer :-

- क्षीणजनाः

---

18) प्राप्तोदकः ----- समासः

1. व्यधिकरण-बहुव्रीहिः
2. कर्मधारयः
3. समानाधिकरण-बहुव्रीहिः
4. प्रादिबहुव्रीहिः

Correct Answer :-

- समानाधिकरण-बहुव्रीहिः

---

19)

Adda247

GET IT ON Google Play

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

मदनमोहनमालवीयस्य जन्म १८५१ तमे क्रिस्ताब्दे प्रयागनगरे अभवत्। अस्य पिता धार्मिकः ब्राह्मणः उपदेशकः च आसीत्। बाल्ये मदनमोहनः संस्कृतपाठशालायाम् अपठत्। ततश्च प्रयागविश्वविद्यालयात् बी.ए. उपाधिं गृहीत्वा अध्यापकः अभवत्। अनन्तरम् अयम् उच्चतरां शिक्षां गृहीत्वा महान् सम्पादकः, वाक्कीलः, अनुपमः भाषणकर्ता च अभवत्। भारतीय-संस्कृतेः रक्षार्थम् असौ महाभागः वाराणस्यां 'हिन्दू विश्वविद्यालयः' इति नाम्ना महतः संस्थानस्य स्थापनां कृतवान्। तदा च असौ एव तस्य संस्थानस्य प्रथमः कुलपतिः अभवत्। कतिपयवर्षानन्तरं श्रीमालवीयः कान्ग्रेससंस्थायां प्रविष्टः अभवत्। असौ निर्मलचरित्रः, भारतीयायाः सभ्यतायाः परमः भक्तः, सत्यवक्ता, सुभाषणकर्ता च आसीत्। अतः शीघ्रमेव अखिलभारतीयेषु नेतृषु अस्य गणना अभवत्। महात्मा गान्धी मालवीयं स्वज्येष्ठभ्रातृतुल्यम् अमन्यत। यद्यपि अयं भारतीयस्वाधीनतायाः परमः समर्थकः अभवत् तथापि आंग्लाः शासकाः भारतीयाः जनाः च समकालमेव अस्य बहुसम्मानम् अकुर्वन्। १९४६ तमे वर्षे असौ परलोकमगच्छत्। लोके नरपतिहितकर्ता द्वेष्यतां याति, जनपदहितकर्ता पार्थिवस्य द्वेष्यतां प्राप्नोति। एतादृशः एव दुर्लभः नेता आसीत् श्रीमान् मालवीयः।

हिन्दूविश्वविद्यालयस्य स्थापनस्य मूलोद्देशः -

1. धनसंग्रहणम्
2. पुण्यसम्पादनम्
3. संस्कृतिरक्षणम्
4. धर्मसंग्रहणम्

Correct Answer :-

- संस्कृतिरक्षणम्

20)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत –

विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा सदसि वाक्पटुता युधि विक्रमः |
यशसि चाभिरूचिर्व्यसनं श्रुतौ प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम् ||
प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः ।
तस्मात् तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता ॥

विपदि धैर्यम् अस्य प्रकृतिः भवति।

1. माहाशयस्य
2. दुरात्मनः
3. महोदयस्य
4. महात्मनः

Correct Answer :-

. महात्मनः

21)

Adda247

GET IT ON Google Play

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

मदनमोहनमालवीयस्य जन्म १८५१ तमे क्रिस्ताब्दे प्रयागनगरे अभवत्। अस्य पिता धार्मिकः ब्राह्मणः उपदेशकः च आसीत्। बाल्ये मदनमोहनः संस्कृतपाठशालायाम् अपठत्। ततश्च प्रयागविश्वविद्यालयात् बी.ए. उपाधिं गृहीत्वा अध्यापकः अभवत्। अनन्तरम् अयम् उच्चतरां शिक्षां गृहीत्वा महान् सम्पादकः, वाक्कीलः, अनुपमः भाषणकर्ता च अभवत्। भारतीय-संस्कृतेः रक्षार्थम् असौ महाभागः वाराणस्यां 'हिन्दू विश्वविद्यालयः' इति नाम्ना महतः संस्थानस्य स्थापनां कृतवान्। तदा च असौ एव तस्य संस्थानस्य प्रथमः कुलपतिः अभवत्। कतिपयवर्षानन्तरं श्रीमालवीयः कान्ग्रेससंस्थायां प्रविष्टः अभवत्। असौ निर्मलचरित्रः, भारतीयायाः सभ्यतायाः परमः भक्तः, सत्यवक्ता, सुभाषणकर्ता च आसीत्। अतः शीघ्रमेव अखिलभारतीयेषु नेतृषु अस्य गणना अभवत्। महात्मा गान्धी मालवीयं स्वज्येष्ठभ्रातृतुल्यम् अमन्यत। यद्यपि अयं भारतीयस्वाधीनतायाः परमः समर्थकः अभवत् तथापि आंग्लाः शासकाः भारतीयाः जनाः च समकालमेव अस्य बहुसम्मानम् अकुर्वन्। १९४६ तमे वर्षे असौ परलोकमगच्छत्। लोके नरपतिहितकर्ता द्वेष्यतां याति, जनपदहितकर्ता पार्थिवस्य द्वेष्यतां प्राप्नोति। एतादृशः एव दुर्लभः नेता आसीत् श्रीमान् मालवीयः।

मालवीयस्य देहान्त्यः अस्मिन् वर्षे समभूत्-

1. १९४७
2. १९४४
3. १९४६
4. १९४०

Correct Answer :-

. १९४६

22)

Adda247 GET IT ON Google Play

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

मदनमोहनमालवीयस्य जन्म १८५१ तमे क्रिस्ताब्दे प्रयागनगरे अभवत्। अस्य पिता धार्मिकः ब्राह्मणः उपदेशकः च आसीत्। बाल्ये मदनमोहनः संस्कृतपाठशालायाम् अपठत्। ततश्च प्रयागविश्वविद्यालयात् बी.ए. उपाधिं गृहीत्वा अध्यापकः अभवत्। अनन्तरम् अयम् उच्चतरां शिक्षां गृहीत्वा महान् सम्पादकः, वाक्कीलः, अनुपमः भाषणकर्ता च अभवत्। भारतीय-संस्कृतेः रक्षार्थम् असौ महाभागः वाराणस्यां 'हिन्दू विश्वविद्यालयः' इति नाम्ना महतः संस्थानस्य स्थापनां कृतवान्। तदा च असौ एव तस्य संस्थानस्य प्रथमः कुलपतिः अभवत्। कतिपयवर्षानन्तरं श्रीमालवीयः कान्ग्रेससंस्थायां प्रविष्टः अभवत्। असौ निर्मलचरित्रः, भारतीयायाः सभ्यतायाः परमः भक्तः, सत्यवक्ता, सुभाषणकर्ता च आसीत्। अतः शीघ्रमेव अखिलभारतीयेषु नेतृषु अस्य गणना अभवत्। महात्मा गान्धी मालवीयं स्वज्येष्ठभ्रातृतुल्यम् अमन्यत। यद्यपि अयं भारतीयस्वाधीनतायाः परमः समर्थकः अभवत् तथापि आंग्लाः शासकाः भारतीयाः जनाः च समकालमेव अस्य बहुसम्मानम् अकुर्वन्। १९४६ तमे वर्षे असौ परलोकमगच्छत्। लोके नरपतिहितकर्ता द्वेष्यतां याति, जनपदहितकर्ता पार्थिवस्य द्वेष्यतां प्राप्नोति। एतादृशः एव दुर्लभः नेता आसीत् श्रीमान् मालवीयः।

मदनमोहनस्य जन्मस्थानम् इदमस्ति-

1. काशी
2. हैदराबाद
3. प्रयाग:
4. अलहाबाद

Correct Answer :-

- प्रयाग:

23)

Adda247 GET IT ON Google Play

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

प्राचीनकाले छात्राः गुरोः गृहे वसन्ति स्म । तत्रैव अध्ययनं कुर्वन्ति स्म । सः गुरुकुलः इति कथ्यते । प्राचीनशिक्षणं प्रायशः गुरुकुले भवति स्म । अतः इयम् एका प्राचीना शिक्षणपद्धतिः इति वक्तुं शक्नुमः। एषा पद्धतिः वेदकालात् प्रसिद्धा अस्ति । गुरुकुले गुरुपत्नी एव मातेव छात्रान् पालयति ।

याज्ञवल्क्यभृगुवारुण्यादयः उपनिषत्सु प्रसिद्धाः सन्ति । रामायणे लवकुशयोः विद्याभ्यासः वाल्मीकेः गुरुकुले अभवत् इति तु प्रसिद्ध एव । महाभारते सान्दीपिनिगुरोः समीपे कृष्णकुचेलयोः विद्याभ्यासः अभवत् इति वयं जानीमः । एवं सर्वयुगेषु इयं पद्धतिः प्रसिद्धास्ति ।

गुरुकुले छात्राः वेदाशास्त्रादीनाम् अभ्यासं कुर्वन्ति । अभ्यासेन सह गुरुकुलोपयोगीन् शाकादीन् उत्पादयन्ति । प्रातः सायं च गोदोहनं कुर्वन्ति । गुरुपत्न्याः सहायं कुर्वन्ति । छात्राः वस्त्रप्रक्षालनस्नानादीनि स्वकार्याणि स्वयमेव कुर्वन्ति । छात्राः बहुवर्षाणि अधीत्य अन्ते गुरुदक्षिणां गुरवे ददति ।

आधुनिककालेऽपि बहवः गुरुकुलाः वेदशास्त्रादीन् अध्यापयन्ति । अत्र प्राचीनविषयैः सह गणकयन्त्रगणितविज्ञानादीनां नवीनविषयानाम् अध्यापनमपि भवति । किन्तु प्रायशः आधुनिकगुरुकुले छात्राः गुरुकुले वसन्ति अध्यापकाश्च स्वस्वगृहेभ्यः आगत्य पाठयन्ति ।

प्राचीनकाले अध्ययनम् अत्र भवति स्म -

1. शालायाम्
2. मन्दिरे
3. गुरुकुले
4. भवने

Correct Answer :-

. गुरुकुले

24)

Adda247 GET IT ON Google Play

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

प्राचीनकाले छात्राः गुरोः गृहे वसन्ति स्म । तत्रैव अध्ययनं कुर्वन्ति स्म । सः गुरुकुलः इति कथ्यते । प्राचीनशिक्षणं प्रायशः गुरुकुले भवति स्म । अतः इयम् एका प्राचीना शिक्षणपद्धतिः इति वक्तुं शक्नुमः। एषा पद्धतिः वेदकालात् प्रसिद्धा अस्ति । गुरुकुले गुरुपत्नी एव मातेव छात्रान् पालयति ।

याज्ञवल्क्यभृगुवारुण्यादयः उपनिषत्सु प्रसिद्धाः सन्ति । रामायणे लवकुशयोः विद्याभ्यासः वाल्मीकेः गुरुकुले अभवत् इति तु प्रसिद्ध एव । महाभारते सान्दीपिनिगुरोः समीपे कृष्णकुचेलयोः विद्याभ्यासः अभवत् इति वयं जानीमः । एवं सर्वयुगेषु इयं पद्धतिः प्रसिद्धास्ति ।

गुरुकुले छात्राः वेदाशास्त्रादीनाम् अभ्यासं कुर्वन्ति । अभ्यासेन सह गुरुकुलोपयोगीन् शाकादीन् उत्पादयन्ति । प्रातः सायं च गोदोहनं कुर्वन्ति । गुरुपत्न्याः सहायं कुर्वन्ति । छात्राः वस्त्रप्रक्षालनस्नानादीनि स्वकार्याणि स्वयमेव कुर्वन्ति । छात्राः बहुवर्षाणि अधीत्य अन्ते गुरुदक्षिणां गुरवे ददति ।

आधुनिककालेऽपि बहवः गुरुकुलाः वेदशास्त्रादीन् अध्यापयन्ति । अत्र प्राचीनविषयैः सह गणकयन्त्रगणितविज्ञानादीनां नवीनविषयानाम् अध्यापनमपि भवति । किन्तु प्रायशः आधुनिकगुरुकुले छात्राः गुरुकुले वसन्ति अध्यापकाश्च स्वस्वगृहेभ्यः आगत्य पाठयन्ति ।

'अधीत्य' अत्र अयं प्रत्ययः-|

1. क्त
2. ल्यप्
3. क्त्वा
4. ण्यत्

Correct Answer :-

. ल्यप्

25)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत –

विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा सदसि वाक्पटुता युधि विक्रमः |
यशसि चाभिरूचिर्व्यसनं श्रुतौ प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम् ||
प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः ।
तस्मात् तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता ॥

सर्वे अनेन तुष्यन्ति ।

1. प्रियपुत्रेण
2. प्रियवाक्येन
3. प्रियपात्रेण
4. प्रियपत्न्या

Correct Answer :-

. प्रियवाक्येन

26)

श्लोकौ पठित्वा अधोदत्त प्रश्नं शुद्धविकल्पेन सूचयत -

त्यजेत् क्षुधार्ता जननी स्वपुत्रं , खादेत् क्षुधार्ता भुजगी स्वमण्डम् |
बुभुक्षितः किं न करोति पापं , क्षीणा जना निष्करुणा भवन्ति ||
वनेऽपि सिंहा मृगमांसभक्षिणो बुभुक्षिता नैव तृणं चरन्ति |
एवं कुलीना व्यसनाभिभूता न नीचकर्माणि समाचरन्ति ||

क्षुधार्ता जननी एतं त्यजेत्।

1. स्वमण्डम्
2. स्वपतिम्
3. स्ववस्त्रम्
4. स्वपुत्रम्

Adda247 GET IT ON Google Play

Correct Answer :-

. स्वपुत्रम्

27)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

मदनमोहनमालवीयस्य जन्म १८५१ तमे क्रिस्ताब्दे प्रयागनगरे अभवत्। अस्य पिता धार्मिकः ब्राह्मणः उपदेशकः च आसीत्। बाल्ये मदनमोहनः संस्कृतपाठशालायाम् अपठत्। ततश्च प्रयागविश्वविद्यालयात् बी.ए. उपाधिं गृहीत्वा अध्यापकः अभवत्। अनन्तरम् अयम् उच्चतरां शिक्षां गृहीत्वा महान् सम्पादकः, वाक्कीलः, अनुपमः भाषणकर्ता च अभवत्। भारतीय-संस्कृतेः रक्षार्थम् असौ महाभागः वाराणस्यां 'हिन्दू विश्वविद्यालयः' इति नाम्ना महतः संस्थानस्य स्थापनां कृतवान्। तदा च असौ एव तस्य संस्थानस्य प्रथमः कुलपतिः अभवत्। कतिपयवर्षानन्तरं श्रीमालवीयः कान्ग्रेससंस्थायां प्रविष्टः अभवत्। असौ निर्मलचरित्रः, भारतीयायाः सभ्यतायाः परमः भक्तः, सत्यवक्ता, सुभाषणकर्ता च आसीत्। अतः शीघ्रमेव अखिलभारतीयेषु नेतृषु अस्य गणना अभवत्। महात्मा गान्धी मालवीयं स्वज्येष्ठभ्रातृतुल्यम् अमन्यत। यद्यपि अयं भारतीयस्वाधीनतायाः परमः समर्थकः अभवत् तथापि आंग्लाः शासकाः भारतीयाः जनाः च समकालमेव अस्य बहुसम्मानम् अकुर्वन्। १९४६ तमे वर्षे असौ परलोकमगच्छत्। लोके नरपतिहितकर्ता द्वेष्यतां याति, जनपदहितकर्ता पार्थिवस्य द्वेष्यतां प्राप्नोति। एतादृशः एव दुर्लभः नेता आसीत् श्रीमान् मालवीयः।

अधोदत्तेषु गुणेषु अयं गुणः मदनमोहनमालवीये नासीत्-

1. संस्कृतिभक्तिः
2. असत्यभाषणम्
3. सत्यवचनम्
4. निर्मलचारित्र्यम्

Correct Answer :-

. असत्यभाषणम्

28) पठ्+तुमुन् -पठितुम् :: श्रु+शतृ - ?

1. श्रवणम्

2. श्रोतुम्

3. श्रृण्वन्

4. शत्रुम्

Correct Answer :-

. श्रृण्वन्

29) प्+र्+आ+र्+थ्+अ+न्+आ अस्य वर्णसंयोजनम् -

1. प्राराथाना

2. प्रथाना

3. प्रार्थना

4. परतना

Correct Answer :-

. प्रार्थना

30) कः भारवेः ग्रन्थः अस्ति?

1. शिशुपालवधम्

2. किरातार्जुनीयम्

3. नैषधीयचरितम्

4. कादम्बरी

Correct Answer :-

. किरातार्जुनीयम्

Topic:- Mathematics (MAT)

1) 3c(a+ b) is a/an _____. /

3c(a+ b) एक _____ है।

1. algebraic equation / बीजगणितीय समीकरण

2. monomial polynomial / एकपदीय बहुपद

3. binomial polynomial / द्विपदीय बहुपद

4. trinomial polynomial / त्रिपदीय बहुपद

Correct Answer :-

- binomial polynomial / द्विपदीय बहुपद

2) If the perpendicular distance of a point P from the x-axis is 8 units and the foot of the perpendicular lies on the negative direction of x-axis, then the point P has: /

यदि x-अक्ष से एक बिंदु P की लंबवत दूरी 8 इकाई है और लंब का पद x-अक्ष की ऋणात्मक दिशा पर स्थित है, तो बिंदु P में हैं:

1. Ordinate = 8 / कोटि = 8

2. Abscissa= 8 or -8 / भुज = 8 अथवा -8

3. Abscissa = 8 / भुज =8

4. Abscissa = -8 / भुज = -8

Correct Answer :-

- Ordinate = 8 / कोटि = 8

3) If the CSA of a right circular cone is 12320 sq cm and its base radius is 56 cm, then its height is: /

यदि एक लंब वर्तुल शंकु का वक्र पृष्ठीय क्षेत्रफल 12320 वर्ग सेमी तथा इसकी आधार त्रिज्या 56 सेमी है, तो इसकी ऊँचाई है:

1. 42 cm / 42 सेमी

2. 24 cm / 24 सेमी

3. 40cm / 40 सेमी

4. 21 cm / 21 सेमी

Correct Answer :-

- 42 cm / 42 सेमी

4) What is predecessor of natural number 1? /

प्राकृत संख्या 1 की पूर्ववर्ती संख्या क्या है?

1. 2

2. 1

3. no predecessor / कोई पूर्ववर्ती संख्या नहीं है

4. 0

Correct Answer :-

- no predecessor / कोई पूर्ववर्ती संख्या नहीं है

5) Which one of the following is not an objective of scholastic assessment? /

निम्नलिखित में से कौन-सा विद्वानों के मूल्यांकन का एक उद्देश्य नहीं है?

1. Knowledge / ज्ञान

2. Analysis / विश्लेषण

3. Comprehension / समझ

4. Attitude / मनोवृत्ति

Correct Answer :-

- Attitude / मनोवृत्ति

6) A regular pentagon has perimeter of 45 cm. What is the length of one side? /

एक सम पंचभुज का परिमाप 45 सेमी है। इसके एक भुजा की लंबाई कितनी है?

1. 9 cm / 9 सेमी
2. 9.5 cm / 9.5 सेमी
3. 7.5 cm / 7.5 सेमी
4. 15 cm / 15 सेमी

Correct Answer :-

- 9 cm / 9 सेमी

7) If $\mathbf{p} = -2$, $\mathbf{q} = 3$, and $\mathbf{z} = 2$, then find the value of $\frac{p^z+q^q-z^5}{\frac{p}{z}+pq-pqz}$. /

यदि $\mathbf{p} = -2$, $\mathbf{q} = 3$, एवं $\mathbf{z} = 2$ है, तो $\frac{p^z+q^q-z^5}{\frac{p}{z}+pq-pqz}$ का मान ज्ञात करें।

1. $-\frac{9}{5}$
2. $-\frac{31}{2}$
3. $-\frac{1}{5}$
4. 19

Correct Answer :-

- $-\frac{1}{5}$

8) $\frac{1}{x^2-5x+6}+\frac{1}{x^2-7x+12}-\frac{2}{x^2-6x+8}=$

1. (x-3)
2. (x-2)
3. 0
4. (x-4)

Correct Answer :-

- 0

9) The diagonals of a rectangle PQRS intersect at the point O. If $\angle POQ = 130°$, then $\angle ORS = ?$ /

आयत PQRS के विकर्ण एक-दूसरे को बिंदु O पर प्रतिच्छेदित करते हैं। यदि $\angle POQ = 130°$, तब $\angle ORS = ?$

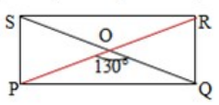

1. 30°
2. 25°

3. 130°

4. 50°

Correct Answer :-

- 25°

10) The area of sector of a circle of radius 10 cm and of angle 60° is _____. /

10 सेमी त्रिज्या तथा 60° कोण वाले एक वृत्त के त्रिज्यखंड का क्षेत्रफल _____ है।

1. $\frac{157}{6}$ sq cm / $\frac{157}{6}$ वर्ग सेमी

2. $\frac{157}{3}$ sq cm / $\frac{157}{3}$ वर्ग सेमी

3. $\frac{167}{3}$ sq cm / $\frac{167}{3}$ वर्ग सेमी

4. 157 sq cm / 157 वर्ग सेमी

Correct Answer :-

- $\frac{157}{3}$ sq cm / $\frac{157}{3}$ वर्ग सेमी

11) Given two right angled triangles PQR and DEF ,such that ∠Q=30, ∠D=30 and QP=DE write the correspondence if triangles are congruent. /

दो समकोण त्रिभुज PQR और DEF इस प्रकार दिए गए हैं कि $\angle Q = 30, \angle D = 30$ और $QP = DE$ है। यदि त्रिभुज सर्वांगसम हैं, तो संगतता ज्ञात करें।

1. $\Delta RQP \cong \Delta FED$

2. $\Delta QPR \cong \Delta DFE$

3. $\Delta PQR \cong \Delta DEF$

4. $\Delta PQR \cong \Delta EDF$

Correct Answer :-

- $\Delta PQR \cong \Delta EDF$

12) ΔPQR is an isosceles triangle with PQ=PR. Altitudes RF and QG are drawn to the sides PQ and PR from vertices R and Q .If one altitude RF is 3 cm and the base QR is 5cm then GR=____. /

Δ PQR एक समद्विबाहु त्रिभुज है, जिसमें PQ=PR है। शीर्षलंबों RF और QG को शीर्ष R एवं Q से भुजा PQ और PR तक खींचा जाता है। यदि एक शीर्षलंब RF 3 सेमी है और आधार QR 5 सेमी है, तो GR = ____।

1. 4 cm / 4 सेमी

2. 3 cm / 3 सेमी

3. 5 cm / 5 सेमी

4. 6 cm / 6 सेमी

Correct Answer :-

- 4 cm / 4 सेमी

13) AD is a median of ΔABC and M is the midpoint of AD. If the area of ΔBMD is 2.5 cm^2, then the area of ΔABC is ___. /

ΔABC की एक माध्यिका AD है तथा AD का मध्यबिंदु M है। यदि ΔBMD का क्षेत्रफल 2.5 सेमी^{2} है, तो ΔABC का क्षेत्रफल ____ है।

1. 20 cm^2 / 20 सेमी^{2}

2. 10 cm^2 / 10 सेमी^{2}

3. 5 cm^2 / 5 सेमी^{2}

4. 25 cm^2 / 25 सेमी^{2}

Correct Answer :-

- 10 cm^2 / 10 सेमी^{2}

14) Anu's age is $\frac{1}{3}^{rd.}$ of her mother's age .If Anu's age is 12 then mother's age is /

अनु की आयु उसकी माँ की आयु का 1/3 है। यदि अनु की आयु 12 वर्ष है, तो माँ की आयु है:

1. 36

2. 24

3. 35

4. 30

Correct Answer :-

- 36

15) The length of two trains **T1** and **T2** are 620 m and 480 m respectively. The length of the freight train **T3** is twice the sum of **T1** & **T2**. Find the time required by **T3** to cover a post on the platform if it has a speed of 20 m/s. $[\text{time} = \frac{\text{distance}}{\text{speed}}]$ /

दो ट्रेन **T1** एवं **T2** की लंबाई क्रमश: 620 मीटर और 480 मीटर है। मालगाड़ी **T3** की लंबाई ट्रेन **T1** एवं **T2** के योग का दोगुना है। यदि इसकी गति 20 मीटर/सेकंड है, तो **T3** द्वारा एक प्लेटफ़ॉर्म पर एक पोस्ट को पार करने के लिए आवश्यक समय ज्ञात करें?

1. 3 minute 10 seconds / 3 मिनट 10 सेकंड

2. 1 minute 50 seconds / 1 मिनट 50 सेकंड

3. 2 minutes 10 seconds / 2 मिनट 10 सेकंड

4. 2 minutes 40 seconds / 2 मिनट 40 सेकंड

Correct Answer :-

- 1 minute 50 seconds / 1 मिनट 50 सेकंड

16)

If $\frac{3x+y+2}{3} = \frac{3x-y-1}{2} = \frac{x+3y+1}{4}$, then find the value of x and y.

यदि $\frac{3x+y+2}{3} = \frac{3x-y-1}{2} = \frac{x+3y+1}{4}$ है, तो x एवं y के मान ज्ञात करें।

1. $x = -2, y = \frac{-13}{5}$

2. $x = \frac{7}{8}, y = -5$

3. $x = \frac{1}{3}, y = \frac{3}{4}$

4. x =2, y=3

Correct Answer :-

- $x = -2, y = \frac{-13}{5}$

17) If α and β are the zeroes of the polynomial $x^2 - 5x + k$, where $\alpha - \beta = 1$, then $k =$ __. /

यदि α एवं β बहुपद $x^2 - 5x + k$ के शुन्यक हैं, जहाँ $\alpha - \beta = 1$ है, तो $k =$ ___

1. -6

2. 2

3. 3

4. 6

Correct Answer :-

- 6

18) Four figures are plotted on a graph sheet as mentioned in the following table.

Covered area	Figure 1	Figure 2	Figure 3	Figure 4
Fully-filled squares	5	8	6	4
Half-filled squares	7	_	2	5
More than half filled squares	4	4	_	8
Less than half filled square	9	7	_	_

Find the figure with larger area. /

निम्न तालिका में वर्णित ग्राफ शीट पर चार आँकड़े दिए गए हैं।

कवर किया गया क्षेत्र	आंकड़ा 1	आंकड़ा 2	आंकड़ा 3	आंकड़ा 4
पूर्ण रूप से भरे वर्ग	5	8	6	4
आधे भरे वर्ग	7	_	2	5
आधे से अधिक भरे वर्ग	4	4	_	8
आधे से कम भरे वर्ग	9	7	_	_

सबसे बड़े क्षेत्र का आंकड़ा ज्ञात करें।

1. Figure 4 / आंकड़ा 4

2. Figure 2 / आंकड़ा 2

3. Figure 1 / आंकड़ा 1

4. Figure 3 / आंकड़ा 3

Correct Answer :-

- Figure 4 / आंकड़ा 4

19) Find the value of 'k', if x^2-2x+1 is a factor of $2x^4+x^3-14x^2+5k+6$. /

यदि $2x^4+x^3-14x^2+5k+6$ का एक घटक x^2-2x+1 है, तो 'k' का मान ज्ञात करें।

1. -1

2. 2

3. 1

4. 3

Correct Answer :-

- 1

20) Find the missing number in the following pattern. /

निम्नलिखित पैटर्न में लुप्त संख्या ज्ञात करें।

-7 , -1 , 5 , __ , 17

1. 11

2. 4

3. 7

4. 6

Correct Answer :-

- 11

21) Find the difference between the predecessor of 98701 and the successor of 9871. /

98701 के पूर्ववर्ती और 9871 के परवर्ती के बीच अंतर का ज्ञात करें।

1. 88832

2. 2

3. 95000

4. 88828

Correct Answer :-

- 88828

22) Find the GCD of 10, 20, and 30. /

10, 20 और 30 का महत्तम सर्वभाजक (GCD) ज्ञात करें।

1. 10

2. 60

3. 15

4. 30

Correct Answer :-

- 10

23) A scaled down teaching encounter is known as _____. /

अवश्रेणीयन (स्केल्ड डाउन) शिक्षण संघर्ष _____ के रूप में जाना जाता है।

1. Macro teaching / वृहत शिक्षण (मैक्रो टीचिंग)
2. Micro teaching / सूक्ष्म शिक्षण (माइक्रो टीचिंग)
3. Mastery teaching / प्रवीण शिक्षण (मास्ट्री टीचिंग)
4. Model teaching / मॉडल शिक्षण (मॉडल टीचिंग)

Correct Answer :-

- Micro teaching / सूक्ष्म शिक्षण (माइक्रो टीचिंग)

24) Postulates are assumptions specific to _____. /

स्वयंसिद्ध, विशिष्ट से _____ की अवधारणाएं हैं।

1. trigonometry / त्रिकोणमिति
2. algebra / बीजगणित
3. geometry / ज्यामिति
4. arithmetic / अंकगणित

Correct Answer :-

- geometry / ज्यामिति

25) 'Algorithms De numero Indorum' was a work on Arabic Arithmetic by _____. /

'एल्गोरिदम डी न्यूमेरो इंडोरम' _____ के द्वारा अरब अंकगणित पर किया गया कार्य था।

1. Al Kharkli / अल खरक्ली
2. Abil-Wefer / अबिल-वेफेर
3. Omar Khayyam / उमर खय्याम
4. Al-Khwarizmi / अल-ख्वारिज्मी

Correct Answer :-

- Al-Khwarizmi / अल-ख्वारिज्मी

26) _____ is the ability for a child of two years who is able to distinguish between more and less things when he/she is fit to consume food. /

_____ दो साल के बच्चे की क्षमता है जो भोजन का उपभोग करने के लिए फिट होने पर अधिक और कम चीजों के बीच अंतर करने में सक्षम है।

1. Understanding of notations / संकेतन की समझ
2. Recognition of numbers / संख्या की पहचान
3. Recognition of notations / संकेतन की पहचान
4. Innate number sense / सहज संख्या बोध

Correct Answer :-

- Innate number sense / सहज संख्या बोध

27) Rhombus is formed by joining the midpoints of the adjacent sides of a ____. /

____ के आसन्न भुजाओं के मध्यबिंदुओं को मिलाने से समचतुर्भुज बनता है।

1. Rectangle / आयत
2. Parallelogram / समानांतर चतुर्भुज

3. Rhombus / समचतुर्भुज

4. Kite / पतंग

Correct Answer :-

- Rectangle / आयत

28) The mean weight of 7 boys is 45 kg. The weights of 6 of them are

53 kg, 45 kg, 40 kg, 37 kg, 42 kg and 50 kg. Find the weight of the 7^{th} boy. /

7 लड़कों का माध्य वजन 45 किग्रा है। उनमें से 6 का वजन 53 किग्रा, 45 किग्रा, 40 किग्रा, 37 किग्रा, 42 किग्रा तथा 50 किग्रा है। 7वें लड़के का वजन ज्ञात करें।

1. 42 kg / 42 किग्रा

2. 48 kg / 48 किग्रा

3. 45 kg / 45 किग्रा

4. 50 kg / 50 किग्रा

Correct Answer :-

- 48 kg / 48 किग्रा

29) The degree of the polynomial $(2x-8) \div (8-2x)$: /

बहुपद $(2x-8) \div (8-2x)$ की घात है:

1. 1

2. 3

3. 2

4. 0

Correct Answer :-

- 0

30) The action verb for giving examples of different types of sets is _____. /

विभिन्न प्रकार के समुच्चयों के उदाहरण देने के लिए क्रियात्मक क्रिया _____ है।

1. classifying / वर्गीकरण

2. comparing / तुलना

3. differentiating / विभेदन

4. listing / सूचीकरण

Correct Answer :-

- classifying / वर्गीकरण

31) The graph of the linear equation $2x + 5y = 10$ is a line which meets the x-axis at the point _____. /

रैखिक समीकरण 2x + 5y = 10 का ग्राफ़ एक रेखा है जो बिंदु _____ पर x-अक्ष से मिलता है।

1. (0,2)

2. (1,2)

3. (5,0)

4. (2,5)

Correct Answer :-

- (5,0)

32)
Which property is used to equate: /

समीकृत करने के लिए किस गुणधर्म का उपयोग किया जाता है:
i. 19 × 13 = 190 + 57
ii. (-34 - 53) + 23 = - 34 + -30

1. i - Commutative property, ii - Associative property / i - क्रमविनिमेय गुण, ii - सहचारी गुण
2. i - Distributive property, ii - Closure property / i - वितरणात्मक गुण, ii - समापन गुण
3. i - Commutative property, ii - Closure property / i - क्रमविनिमेय गुण, ii - समापन गुण
4. i - Distributive property, ii - Associative property / i - वितरणात्मक गुण, ii - सहचारी गुण

Correct Answer :-

- i - Distributive property, ii - Associative property / i - वितरणात्मक गुण, ii - सहचारी गुण

33) Choose the solution for the equation: x+9 = 12. /

समीकरण: x+9 = 12 के हल का चयन करें।

1. 3
2. 4
3. 2
4. 6

Correct Answer :-

- 3

34) Simon has a rectangular pond of length 210 m and width 165 m. He wants to fence it with 2 rounds of rope at the rate of Rs. 10 per metre. Find the cost of fencing. /

साइमन के पास 210 मीटर लंबी और 165 मीटर चौड़ी एक आयताकार तालाब है। वह 10 रुपये प्रति मीटर की दर से रस्सी के 2 घेरों से इसमें बाड़ लगाना चाहता है। बाड़ लगाने की लागत ज्ञात करें।

1. Rs 15000 / 15000 रुपये
2. Rs 7500 / 7500 रुपये
3. Rs 6930 / 6930 रुपये
4. Rs 693000 / 693000 रुपये

Correct Answer :-

- Rs 15000 / 15000 रुपये

35) If the perpendicular distance of a point from y-axis is 4 units, then the point has: /

यदि y-अक्ष से एक बिंदु की लंबवत दूरी 4 इकाई है, तो बिंदु है:

1. y coordinate 4 / y निर्देशांक 4
2. x coordinate -4 / x निर्देशांक -4
3. x coordinate 4 / x निर्देशांक 4
4. x coordinate 4 or -4 / x निर्देशांक 4 अथवा -4

Correct Answer :-

- x coordinate 4 or -4 / x निर्देशांक 4 अथवा -4

36) If each of (-3,6),(0,3) and (3,0) is a solution of a linear equation

In x and y ,then the equation is: /

यदि प्रत्येक (-3,6),(0,3) एवं (3,0) एक रैखिक समीकरण x एवं y में हल हैं, तो समीकरण है:

1. y=x-3
2. y=x+3
3. x+y=3
4. y+2x=0

Correct Answer :-

- x+y=3

37) The area of the triangle whose vertices are P(2,0), Q(5,0) and R(5,2) is: /

उस त्रिभुज का क्षेत्रफल ज्ञात करें जिसका शीर्ष P(2,0), Q(5,0) एवं R(5,2) है:

1. 25 units^2 / 25 इकाई^2
2. 6 units^2 / 6 इकाई^2
3. 4 units^2 / 4 इकाई^2
4. 3 units^2 / 3 इकाई^2

Correct Answer :-

- 3 units^2 / 3 इकाई^2

38) Which one of the following points does not lie on the line 2y = 5x-2? /

निम्नलिखित में से कौन-सी बिंदु रेखा 2y = 5x-2 पर स्थित नहीं है?

1. (0,-1)
2. (-4,-11)
3. (-2,6)
4. (2,4)

Correct Answer :-

- (-2,6)

39) Which one of the following is not a teaching style? /

निम्नलिखित में से कौन-सी एक शिक्षण शैली नहीं है?

1. Scolding / चिल्लाना
2. Demonstration / प्रदर्शन
3. Inquiry / जांच
4. Discovery / अन्वेषण

Correct Answer :-

- Scolding / चिल्लाना

40) Which one of the following statements is false about polynomial? /

निम्नलिखित में से कौन-सा कथन बहुपद के संबंध में असत्य है?

1. According to division algorithm, the dividend polynomial p(x) when divided by divisor g(x), gives quotient q(x) and remainder r(x) such that p(x) = g(x)q(x) + r(x), where degree of r(x) ≥ degree of g(x). / विभाजन गणनविधि के अनुसार, भाज्य बहुपद p(x) को जब भाजक g(x) से विभाजित किया जाता है, तो भागफल q(x) एवं शेष r(x) इस प्रकार देता है कि p(x) = g(x) q(x) + r(x), जहाँ r(x) का घात ≥ g(x) का घात है।

2. A polynomial with degree 3 can have a maximum of 3 zeros (roots). / घात 3 के साथ एक बहुपद में अधिकतम 3 शून्य(मूल) हो सकते हैं।

3. A polynomial with degree 2 can have a maximum of 2 zeros (roots). / घात 2 के साथ एक बहुपद में अधिकतम 2 शून्य(मूल) हो सकते हैं।

4. If the graph of an equation intersects the x-axis at two points, then the equation has 2 zeros (roots). / यदि एक समीकरण का ग्राफ x-अक्ष को दो बिंदुओं पर काटता है, तो समीकरण में 2 शून्य (मूल) होते हैं।

Correct Answer :-

- According to division algorithm, the dividend polynomial p(x) when divided by divisor g(x), gives quotient q(x) and remainder r(x) such that p(x) = g(x)q(x) + r(x), where degree of r(x) ≥ degree of g(x). / विभाजन गणनविधि के अनुसार, भाज्य बहुपद p(x) को जब भाजक g(x) से विभाजित किया जाता है, तो भागफल q(x) एवं शेष r(x) इस प्रकार देता है कि p(x) = g(x) q(x) + r(x), जहाँ r(x) का घात ≥ g(x) का घात है।

41) Abscissa is also known as the _____. /

भुज (भुजांक) ____ के नाम से भी जाना जाता है।

1. X-axis / X - अक्ष

2. Point / बिंदु

3. Ordinate / कोटि अक्ष

4. Y-axis / Y - अक्ष

Correct Answer :-

- X-axis / X - अक्ष

42) Visualizations and drawing conclusion is achieved through the study of _____. /

कल्पना और रेखांकन निष्कर्ष _____ के अध्ययन के माध्यम से प्राप्त किया जाता है।

1. Analytical Geometry / विश्लेषणात्मक ज्यामिति

2. Spatial geometry / स्थानिक ज्यामिति

3. Algebra / बीजगणित

4. Arithmetic / अंकगणित

Correct Answer :-

- Spatial geometry / स्थानिक ज्यामिति

43) The length of the rubber tube is 44 cm. If it's two ends are joined together, then it forms the circle. The area of circle is: / रबड़ ट्यूब की लंबाई 44 सेमी है। यदि इसके दो छोर एक साथ जोड़ दिए जाते हैं, तो यह वृत्त बनाता है। वृत्त का क्षेत्रफल है:

1. 14 cm^2 / 14 $सेमी^2$

2. 44 cm^2 / 44 $सेमी^2$

3. 154 cm^2 / 154 $सेमी^2$

4. 28 cm^2 / 28 $सेमी^2$

Correct Answer :-

- 154 cm^2 / 154 $सेमी^2$

44) The sum of the digits of a two-digit number is 5. If 9 is subtracted from the number, the digits interchange their places. Then the unit digit of the number is: /

दो अंकीय संख्या के अंकों का योग 5 है। यदि संख्या में से 9 घटाया जाता है, तो अंक अपने स्थान परिवर्तित कर लेते हैं, तो संख्या का इकाई अंक है:

1. 2

2. 9

3. 7

4. 6

Correct Answer :-

- 2

45) If the perimeter and area of a circle are numerically equal, then the radius of the circle is_____. /

यदि एक वृत्त की परिधि तथा क्षेत्रफल संख्यात्मक रूप से समान है, तो वृत्त की त्रिज्या _____ है।

1. 3 units / 3 इकाई

2. 1 unit / 1 इकाई

3. 4 units / 4 इकाई

4. 2 units / 2 इकाई

Correct Answer :-

- 2 units / 2 इकाई

46) "Let no one enter who is ignorant of mathematics" was stated by _____. /

"गणित से अनभिज्ञ कोई भी व्यक्ति प्रवेश न करे।" _____ द्वारा कहा गया था।

1. Thales / थेल्स

2. Pythagoras / पाइथागोरस

3. Enchid / एनचिड

4. Plato / प्लेटो

Correct Answer :-

- Plato / प्लेटो

47) The abscissa of the point of intersection of less than ogive and more than ogive is _____. /

चाप विकर्ण (ogive) से कम तथा चाप विकर्ण से अधिक के प्रतिच्छेदन बिंदु की भुज (abscissa) _____ है।

1. Mode / बहुलक

2. Mean / माध्य

3. Median / माध्यिका

4. None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Correct Answer :-

- Median / माध्यिका

48) Find the odd one out. /

विषम चुनें।

1. <

2. =

3. 0

4. ≠

Correct Answer :-

- 0

49) Generalisation of Arithmetic is: /

अंकगणित का सामान्यीकरण है:

1. Algebra / बीजगणित
2. Probability / प्रायिकता
3. Statistics / सांख्यिकी
4. Calculus / कैल्कुलस

Correct Answer :-

- Algebra / बीजगणित

50) A single linear equation in two variables has: /

दो चरों में एकल रैखिक समीकरण होते हैं:

1. Maximum two solutions / अधिकतम दो हल
2. An unique solution / एक अद्वितीय हल
3. Infinitely many solutions / अनंत हल
4. More than 2 but less than 4 solutions / दो से अधिक लेकिन 4 से कम हल

Correct Answer :-

- Infinitely many solutions / अनंत हल

51) 'Let no one who is unacquainted with geometry enter here' is connected with _____. /

'कोई भी व्यक्ति जो ज्यामिति से अपरिचित है, यहाँ प्रवेश न करे।', ये _____ से संबंधित है।

1. The Sophist School / सोफिस्ट स्कूल
2. The Platonic School / प्लेटोनिक स्कूल
3. The First Alexandrian School / पहला अलेक्जेंड्रियन स्कूल
4. The Ionic School / आयोनिक स्कूल

Correct Answer :-

- The Platonic School / प्लेटोनिक स्कूल

52) Which of the following is considered as undefined term? /

निम्नलिखित में से किसे अपरिभाषित पद माना जाता है?

1. Point / बिंदु
2. Quadrilateral / चतुर्भुज
3. Circle / वृत्त
4. Prime Number / अभाज्य संख्या

Correct Answer :-

- Point / बिंदु

53) The author of Lilavathi was: /

लीलावती के लेखक थे:

1. Brahmagupta / ब्रह्मगुप्त
2. Aryabhatta / आर्यभट्ट
3. Bhaskaracharya / भास्कराचार्य

4. Ramanujan / रामानुजन

Correct Answer :-

- Bhaskaracharya / भास्कराचार्य

54) CANCELLED

If P(3,-5) and Q(-3,-6) are two points, then abscissa of P-ordinate of Q is: / यदि P(3,-5) एवं Q(-3,-6) दो बिन्दुएँ हैं, तो Q के P-कोटि का भुज है:

1. 0
2. 3
3. -11
4. 9

Correct Answer :-

- 9

55) CANCELLED

In ΔPQR, $\angle P = 90°$ and X is the mid- point of PR. The value of $QR^2 - QX^2$ is equal to ____.
/ ΔPQR में, $\angle P = 90°$ तथा PR का मध्यबिंदु X है। $QR^2 - QX^2$ का मान = _____ है।

1. $2PX^2$
2. $3PX^2$
3. $4PX^2$
4. PX^2

Correct Answer :-

- $3PX^2$

56) 3 m 6 cm = ? /
3 मीटर 6 सेमी = ?

1. 3600 cm / 3600 सेमी
2. 360 cm / 360 सेमी
3. 306 cm / 306 सेमी
4. 30.6 cm / 30.6 सेमी

Correct Answer :-

- 306 cm / 306 सेमी

57) A man loses one-third of his money, then wins Rs. 10,then loses one-third of what he has, wins Rs. 20., and finds that he has exactly what he had in the beginning .What was the amount he originally had ? /
एक आदमी अपनी धनराशि का एक-तिहाई हार जाता है, फिर 10 रुपये जीतता है, उसके बाद जितना है उसका एक-तिहाई हार जाता है, 20 रुपये जीतता है, अब उसके पास उतना ही धनराशि है जितनी आरंभ में थी। उसके पास मूल धनराशि कितनी थी?

1. Rs.12 / 12 रुपये
2. Rs.24 / 24 रुपये
3. Rs.48 / 48 रुपये
4. Rs.36 / 36 रुपये

Correct Answer :-

- Rs.48 / 48 रुपये

58) If the angles of a triangle are in the ratio 2: 3: 4, then the difference between the smallest and the largest angle is. /

यदि त्रिभुज के कोण का अनुपात 2: 3: 4 है, तो सबसे छोटे और सबसे बड़े कोण के बीच का अंतर ज्ञात करें।

1. 60^0
2. 40^0
3. 15^0
4. 20^0

Correct Answer :-

- 40^0

59) If a regular hexagon is having side of 12 cm , then its area is: /
यदि एक सम षट्भुज की भुजा 12 सेमी है, तो इसका क्षेत्रफल है:

1. $156\sqrt{2}$
2. $256\sqrt{2}$
3. $216\sqrt{3}$
4. $129\sqrt{3}$

Correct Answer :-

- $216\sqrt{3}$

60)

Which one of the following expressions is false? /

निम्नलिखित में से कौन-सा व्यंजक गलत है?

a)9999 <1000

b)1052<1025

c)958765>957865

1. Both a and b / a एवं b दोनों
2. Only b / केवल b
3. Both b and c / b एवं c दोनों
4. Only a / केवल a

Correct Answer :-

- Both a and b / a एवं b दोनों